केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 125 गुरूवार 28 नवम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

दवा लेकर लौट रहे किसान की दुर्घटना में मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। छावनी थानाक्षेत्र में दवा लेकर साइकिल से लौट रहे किसान की अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौत हो गई। हाईवे पर बबुरहवा गांव के सामने की है। घटना के बाद पहुंची छावनी पुलिस ने घायल अधेड़ किसान को एंबुलेंस से सीएचसी हर्रैया भेज दिया, जहां पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। अयोध्या–बस्ती हाईवे पर हुए हादसे में जगदम्बा यादव (उम्र 55 वर्ष) पुत्र रामधीरज की मौत हो गई। जगदम्बा दवा लेने साइकिल से बबुरहवा चौराहे पर गए थे। दवा लेकर गांव के सामने पहुंचे ही थे कि अयोध्या से बस्ती की तरफ जा रहे अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दिया। हादसे के बाद मौके पर काफी भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची छावनी पुलिस ने जगदंबा को सीएचसी हर्रैया ले गए। जहां पर उसकी मौत हो गई। छावनी पुलिस ने पंचनामा के बाद शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए बस्ती भेज दिया। ग्रामीणों के अनुसार घटना का कारण हाईवे के किनारे लग रहे ठेले को जिम्मेदार मान रहे हैं। सड़क किनारे लगे ठेले की वजह से लोगों को हाईवे से होकर निकलना पड़ता है। पहले भी इस स्थान पर दुर्घटनाएं हो चुकी हैं।

दुर्घटना में बाल-बाल बचे वकील और दारोगा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोनहा थाने की सूमो गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी कार से जा टकराई। गाड़ी में सवार अधिवक्ता और इंस्पेक्टर क्राइम सहित हमराह टीम बाल–बाल बच गए। जानकारी के अनुसार इंस्पेक्टर क्राइम टीम के साथ क्षेत्र में भ्रमण पर थे। सोनहा–पचपेड़वा मार्ग पर पहुंचे ही थे कि तैनात सूमो वाहन चालक सुरेंद्र प्रसाद वाहन से नियत्रंण खो बैठा और सूमो सड़क किनारे खड़ी अधिवक्ता के कार से जा भिड़ी। हादसे में अधिवक्ता विनोद पाण्डेय बाल–बाल बच गए। हादसे में अधिवक्ता की कार का दरवाजा व अगला हिस्सा और सूमो का शीशा क्षतिग्रस्त हो गया। इस बाबत इंस्पेक्टर क्राइम रमजान अली अंसारी ने बताया कि तैनात वाहन चालक सुरेंद्र प्रसाद के खिलाफ कारवाई की जाएगी।

बोलोरों ट्रक से भिड़ी, 4 घायल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले के सोनहा थानाक्षेत्र के बेइली गांव से सिद्धार्थनगर के डुहवा गांव गई बरात से लौट रहे बारातियों की बोलेरो असनहरा पेट्रोल पम्प के पास सामने से आ रहे ट्रक से भिड़ गई। हादसे मे बोलेरो में सवार कुल सात लोगों मे चार को गंभीर चोटें आईं हैं। वहीं तीन लोग मामूली रूप से चोटिल हुए हैं। हादसे के बाद बोलेरो व ट्रक का चालक वाहन छोड़कर भाग गए। सूचना पर पहुंची असनहरा चौकी पुलिस ने घायलों को सीएचसी भानपुर भिजवाया। यहां से चार को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। दोनों वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया है। बताया जा रहा है कि बरात से लौट रही बोलेरो बुधवार सुबह करीब सात बजे जैसे ही असनहरा पेट्रोल पम्प के पास पहुंची, तभी बस्ती की ओर से आ रहे ट्रक से टक्कर हो गई। ट्रक से हुई भिड़ंत में बोलेरो सवार लाल बहादुर (40) निवासी सिद्धार्थनगर, राकेश सोनी (45) निवासी तिलौली बांसी, नुरे (50) निवासी बांसी व जगदीश (60) निवासी अल्लीपुर गोंडा के सिर मे गंभीर चोट आई है। वहीं राम औतार निवासी हनुमानगंज, श्यामलाल, ओमप्रकाश, बजरंगी निवासी बैजपुर को मामूली चोट आई है। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं बुधवार रामऔतार और लाल बहादुर की हालत गंभीर देखकर डॉक्टरों ने जिला अस्पताल से मेडिकल कॉलेज लखनऊ रेफर कर दिया।

संसद के शीतकालीन सत्र में चढ़ा सियासी पारा

नई दिल्ली (आभा) । संसद के शीतकालीन सत्र में सियासी गर्मी को साफ–साफ महसूस किया जा सकता है। संसद में अडानी के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन की मांग और संभल हिंसा सहित विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण बुधवार को कार्यवाही बाधित रही। लोकसभा और राज्यसभा की बैठक एक–एक बार के स्थगन के बाद पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन विपक्ष के हंगामे के कारण दोनों सदनों में शून्यकाल व प्रश्नकाल की कार्यवाही बाधित रही।

लोकसभा की कार्यवाही बुधवार सुबह शुरू होने के साथ ही कांग्रेस के सदस्य अपने स्थान पर खड़े हो गए और अडानी समूह से जुड़े मामले को उठाने की कोशिश करने लगे। वहीं समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने उत्तर प्रदेश के संभल में हिंसा की घटना को उठाने का प्रयास किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच प्रश्नकाल शुरू कराया। इस बीच, कांग्रेस और सपा के कई सदस्य आसन के निकट पहुंचकर नारेबाजी करने लगे। बिड़ला ने आसन के निकट पहुंचकर नारेबाजी कर रहे विपक्षी सदस्यों से अपने स्थान पर जाने और प्रश्नकाल चलने देने की अपील की। उन्होंने बीजेपी के सदस्य अरुण गोविल का उल्लेख करते हुए कहा कि वह पहली बार प्रश्नकाल में प्रश्न पूछ रहे हैं, ऐसे में सदन की कार्यवाही चलने दी जाए। हालांकि, हंगामा नहीं थमा और विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी जारी रही।

वक्फ संशोधन विधेयकः समिति ने किया समय बढाने का अनुरोध

नई दिल्ली (आभा) । वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार कर रही संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष जगदम्बिका पाल ने कहा है कि समिति की सर्वसम्मति से यह राय है कि इसका कार्यकाल अगले साल बजट सत्र के आखिरी दिन तक बढ़ाया जाना चाहिए। इस रायशुमारी के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से 2025 के बजट सत्र के आखिरी दिन तक सदन में अपनी रिपोर्ट जमा करने का समय बढ़ाने का अनुरोध किया है। दूसरी तरफ समिति की बैठक में विपक्षी दलों का वॉकआउट जारी है। बुधवार को भी इस समिति में शामिल विपक्षी सदस्य यह आरोप लगाते हुए बैठक से बाहर निकल गए कि इसकी प्रक्रिया मजाक बनकर रह गई है।

समारोहों में न करें अन्न की बरबादी– चन्द्र प्रकाश चौधरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज के नगर पंचायत अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश चौधरी ने इस बात पर दुःख व्यक्त किया है कि शादी विवाह, बड़े आयोजनों में बड़े पैमाने पर भोजन की बरबादी हो रही है। कार्यक्रम के बाद लोग इसे खुले स्थानों पर छोड़ देते हैं जिससे पर्यावरण प्रदूषण का भी खतरा है। यदि लोग बचे भोजन को आस पास के गौशालाओं में वितरण कर दें तो गोवंश रक्षा में मदद मिलेगी।

चन्द्र प्रकाश चौधरी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में तो बचा भोजन उपयोग में ले आते हैं किन्तु शहरी क्षेत्रों में यह बड़ा संकट है। उन्होने लोगों से आग्रह किया कि अन्न की बरबादी न करें और बचे भोजन को उपयोगी बनाये।

श्री जी मार्ट का विधि विधान से उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को वैदिक मंत्रों के बीच सामाजिक कार्यकर्ता चन्द्र प्रकाश पाण्डेय ने ब्लाक रोड पर श्री जी मार्ट का विधि विधान से उद्घाटन किया। निरंजन उपाध्याय और रेनू उपाध्याय ने अतिथियों का स्वागत करते हुये बताया कि श्री जी मार्ट में उचित दर पर उपभोक्ताओं को घरेलू सामान उपलब्ध होंगे। होम डिलेवरी की भी व्यवस्था है। लोगों को सही समान उचित मूल्य पर मिले यह हमारी प्राथमिकता है। बताया कि बदलते जीवन शैली में मार्ट एक अनिवार्य आवश्यकता बन गये हैं। लोगों की जीवन से जुड़ी रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिये यह पहल किया गया है।

श्री जी मार्ट के उद्घाटन अवसर पर मुख्य रूप से सत्यम शुक्ला, रेनू गौतम, घनश्याम पाठक, अजय दूबे, राजन मिश्र, लाल साहब पाण्डेय, हरीराम मिश्र, लालकृष्ण पाण्डेय के साथ ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

माध्यमिक स्तरीय विज्ञान, गणित प्रदर्शनी में रोहित, श्रद्धा प्रथम

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में बुधवार को माध्यमिक विद्यालय स्तरीय विज्ञान एवं गणित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में माध्यमिक के कई विद्यालयों तथा डायट के बच्चों ने प्रतिभाग किया। माध्यमिक स्तर पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खखुआ के छात्र रोहित प्रथम तथा बेगम खैर गर्ल्स इंटर कॉलेज की छात्रा सलोनी अग्रहरि ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। डायट में श्रद्धा उपाध्याय ने प्रथम तथा सूची शुक्ला ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। डायट प्रवक्ताओं की टीम ने इस प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा निर्णायक मंडल में रहे कुलदीप चौधरी, सरिता चौधरी और अलीउद्दीन ने प्रदर्शनी अवलोकन करने के बाद परिणाम घोषित किया।

इस अवसर पर शशि दर्शन त्रिपाठी, मोहम्मद इमरान खान, वर्षा पटेल कल्याण पाण्डेय, रविनाथ त्रिपाठी, ऋचा शुक्ला, अनिल चौधरी आदि मौजूद रहे।

शैक्षिक भ्रमण में छात्रों ने देखा लालकिला, कुतुब मीनार का नजारा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मौलाना अबुल कलाम आजाद जूनियर हाईस्कूल कैडिहवा रूधौली के छात्र छात्राओं का शैक्षिक भ्रमण बस द्वारा दिल्ली करवल बाग पहुंचा यहां से इतिहासिक जामा मस्जिद के पूर्वी गेट के सीढ़ियों द्वारा गेट का दीदार करते हुए सहन में दाखिल हुए तथा सम्पूर्ण मस्जिद को निहारते हुए प्रसन्नता का व्यक्त किया।

ये जानकारी प्रबन्धक मोहम्मद असलम शादा बस्तवी ने देते हुए बताया कि उस समय छात्रों के खुशी का ठिकाना नहीं था । शैक्षिक भ्रमण में शामिल इंग्लिश टीचर एम ए ने कहा ये प्राकृतिक धरोहर मालूम होता है। यकीन नहीं होता है कि इसे इन्सानी हाथों ने बनाया है।

उस बाद जामा मस्जिद के मीनार के अन्दर बनें सीढ़ियों से ऊपर जाकर पूरी दिल्ली का नजारा किया।मीनारें के नजारे के बाद लाल किले की जानिब चांदनी चौक होते हुए उस स्थान के सामने खड़े होकर फोटो ग्राफी कराईं जहां स्वतन्त्रता दिवस तथा गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री झण्डा रोहण करते हैं।टिकट लेकर लाल किला के अन्दर प्रवेश किया और दीवाने आम नहर बहिश्त।हौज। मोती मस्जिद समेत अन्य इमारतों को देखा। शाहजहां की बनाई इस एतिहासिक इमारतों को देख कर बच्चे खूब गद गद हुए। दूसरे दिन कुतुब मीनार का दर्शन करके खूब प्रसन्न हुए।

तूल पकड़ रहा है सामूहिक विवाह में घटिया उपहार देने का मामला:विश्व हिन्दू महासंघ ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में 26 नवम्बर को राजकीय इण्टर कालेज के मैंदान में हुये 514 जोड़ों के विवाह में नव विवाहित जोड़ों को दिये जाने वाले घटिया अधोमानक उपहार दिये जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। विवाह के दौरान मौके पर घटिया उपहार के जांच कराने की मांग के बाद बुधवार को विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। मांग किया कि समूचे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराकर दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाय।

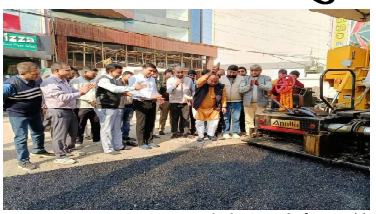

–मामले की जांच कराकर दोषी अधिकारी, ठेकेदारों पर कार्रवाई हो- अखिलेश सिंह

ज्ञापन देने के बाद विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा है कि सामूहिक विवाह में नव विवाहित जोड़ों को गुणवत्तापूर्ण उपहार दिये जाय, इसके लिये नियमानुसार दिशा निर्देश है किन्तु बस्ती के सामूहिक विवाह में दिशा निर्देशों का घोर उल्लंघन किया गया। जिला समाज कल्याण अधिकारी और ठेकेदार की मिलीभगत से नव विवाहित जोड़ों को उपहार स्वरूप घटिया सामग्री उपलब्ध करायी गई। कार्यक्रम के दौरान ही अनेक जोड़ों ने मौके पर इसका विरोध भी किया। कहा कि अधिकारियों की मिलीभगत के कारण सरकार के कल्याणकारी योजनाओं का मजाक बनाया जा रहा है जो दुर्भाग्यपूर्ण और चिन्ताजनक है। उन्होने नव विवाहित जोड़ों को दिये गये उपहारों की जांच कराकर जिम्मेदार दोषी अधिकारी और सम्बंधित ठेकेदार के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई, धन की रिकबरी कराये जाने की मांग मुख्यमंत्री से किया है जिससे भविष्य में इस प्रकार से कोई अधिकारी मनमानी करने का साहस न जुटा सके।

बुधवार को जिलाधिकारी कार्यालय पर मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से कुलदीप मिश्र, संदीप कुमार, बालकृष्ण सिंह, अमरजीत सिंह, मुन्ना सिंह, राजकुमार 'मन्टू' चौधरी, विपिन सिंह, सतीश पाण्डेय, अंकित सिंह, विजय शंकर शुक्ल, शैलेन्द्र सिंह, विनोद कुमार सिंह, रमेश चन्द्र चौधरी, ओम प्रकाश शर्मा, किशन गुप्ता, उर्मिला सिंह, ज्योति, राधिका, मोहिनी गुप्ता, उदय सिंह, अंकित सिंह, विजय कुमार गुप्ता, अमर सोनी के साथ ही अनेक पदाधिकारी, सदस्य उपस्थित रहे।

2 करोड़ 32 लाख की लागत से मालवीय रोड का निर्माण शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को बहु प्रतिक्षित मालवीय रोड का निर्माण कार्य शुरू हुआ। 2 करोड़ 32 लाख की लागत से सुभाष तिराहे से नेहरू तिराहे तक विकास प्राधिकरण द्वारा इस सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। एडीएम प्रतिपाल सिंह चौहान, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अंकुर वर्मा उप जिलाधिकारी शत्रुघ्न पाठक, के साथ ही अनेक अधिकारियों की मौजूदगी में विधि विधान से नारियल फोड़कर सड़क का निर्माण शुरू हुआ।

एडीएम प्रतिपाल सिंह चौहान ने बताया कि नगर पालिका परिषद के इस 2800 मीटर सड़क का बीडीए द्वारा रिनवल कराया जा रहा है। इससे लोगों को आवागमन में सुविधा होगी। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अंकुर वर्मा ने कहा कि लम्बे समय से नागरिकों की मांग थी कि मालवीय रोड़ का निर्माण कराया जाय। जिलाधिकारी और सम्बंधित अधिकारियों से सड़क निर्माण की मांग किया गया। अब शीघ्र ही सड़क का निर्माण हो जाने से लोगों को काफी सुविधा होगी। सड़क अनेक स्थानों पर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी थी। सड़क निर्माण शुरू होने के मौके पर मुख्य रूप से अजय सिंह, परमेश्वर शुक्ल पप्पू, अमृतपाल सिंह 'सनम' सत्येन्द्र मिश्र, विवेक श्रीवास्तव, विक्रम चौहान, पार्थ श्रीवास्तव के साथ ही अनेक लोग एवं विकास प्राधिकरण के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

महिला आयोग सदस्य ने किया तीन मामलों की सुनवाई

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती । राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती ऋतु शाही ने महिला उत्पीड़न की रोकथाम, पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाये जाने एवं महिला उत्पीड़न की घटनाओं की समीक्षा हेतु राजकीय निरीक्षण भवन में जनसुनवाई किया। जनसुनवाई में कुल तीन पीड़ित महिलाओं द्वारा अपने–अपने आवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसका उन्होने गहनता से अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। जनसुनवाई के दौरान प्रोबेशन अधिकारी सुनीता सिंह, महिला थानाध्यक्ष डा. शालिनी सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेश कुमार एवं बाल संरक्षण अधिकारी बीना सिंह उपस्थित रहें।

जनसुनवाई के बाद उन्होने जिला महिला चिकित्सालय एवं सखी वन स्टाफ सेण्टर का निरीक्षण किया। उन्होने मुख्य चिकित्साधीक्षक डा. ए. के. वर्मा को निर्देशित किया कि सुनिश्चित करे कि बाहर की दवा ना लिखी जाय । जिला कारागार के निरीक्षण के दौरान उन्होने बन्दी महिला कक्ष में उपस्थित महिलाओं से एक–एक कर वार्ता किया। उन्होने उनके स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी लिया। उन्होने जेल अधीक्षिका अकेक्षिता श्रीवास्तव को निर्देशित किया कि यहॉ पर योगा भी कराया जाय।

पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने किया सामूहिक विवाह योजना में घटिया सामग्री देने के उच्चस्तरीय जांच, कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में 26 नवम्बर को राजकीय इण्टर कालेज के मैंदान में हुये 514 जोड़ों के विवाह में नव विवाहित जोड़ों को दिये जाने वाले घटिया उपहार की उच्च स्तरीय जांच और दोषी अधिकारियों, कर्मचारियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग किया है।

समाज कल्याण अधिकारी के साथ ही अन्य सम्बंधित अधिकारियों को भेजे पत्र में पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने कहा है कि समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत 26 नवम्बर को राजकीय इण्टर कालेज, बस्ती के परिसर में कुल 514 जोड़ो का सामूहिक विवाह सम्पन्न कराया गया था। इसमें विवाहित जोड़ो को उपहार स्वरूप सामग्री में 2 नग साड़ी., ब्लाउज, पेटीकोट, चुनरी, पैन्ट–शर्ट, दूल्हे की पगड़ी, गमछा, प्रेशर कुकर 5 लीटर, ट्राली बैग, बैनिटी किट, दीवाल घड़ी 01–01 नग, चांदी का विछिया 1 जोड़ी 10 ग्राम, पायल चांदी का 01 जोड़ी 30 ग्राम, स्टील डिनर सेट (08 किग्रा) 01 नग तथा 1 किग्रा. मिष्ठान वितरण किया गया है। मेरे संज्ञान में आया है कि जोड़ो को जो उपहार सामग्री प्राप्त हुई है उसकी गुणवत्ता काफी खराब है। यहां तक कि कन्या को मिलने वाला पायल व बिछिया की चांदी की गुणवत्ता पर भी सवाल उठ रहा है। ट्राली बैग, डिनर सेट व अन्य सामग्री की गुणवत्ता विहीन खरीद के लिए विभाग एवं आपूर्तिकर्ता ठेकेदारो की भूमिका संदिग्ध दिखाई दे रही है, जिससे मुख्यमंत्री की अति महत्वपूर्ण योजना की छवि धूमिल हो रही है तो वही सरकार की योजनाओं के प्रति आम जनता का विश्वास उठ रहा है।

पूर्व विधायक ने आग्रह किया है कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत आयोजित विवाह समारोह में विवाहिता जोड़ो को मिलने वाले सामग्री, जेवरो के गुणवत्ता की उच्चस्तरीय जांच कराया जाय और जो भी इसमें दोषी पाये जाय उनपर कठोर कार्यवाही करें, जिससे भविष्य में ऐसे कृत्य की पुनरावृत्ति न हो सके।

राष्ट्रीय अविष्कार अभियान :200 छात्र शैक्षिक भ्रमण पर रवाना

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के अंतर्गत बुधवार को हर्रैया और दुबौलिया ब्लॉक के परिषदीय स्कूलों के कुल 200 बच्चों और 62 शिक्षकों के शैक्षिक भ्रमण की बस को खण्ड शिक्षा अधिकारी विजय आनन्द ने हरी झंड़ी दिखाकर रवाना किया। जिसके अन्तर्गत बच्चों और शिक्षकों द्वारा संतकबीरनगर और गोरखपुर के विभिन्न स्थलों का भ्रमण किया गया। बच्चों ने शिक्षकों के साथ मगहर स्थित संतकबीर परिनिर्वाण स्थली, गोरखपुर स्थित शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणि उद्यान, रामगढ़ ताल, तारामंडल का भ्रमण किया। इन सभी स्थलों के बारे में शिक्षकों के द्वारा बच्चों को विस्तृत ढंग से बताया गया। शैक्षिक भ्रमण के दौरान बच्चे काफी उत्साहित दिखे। बच्चों को टीशर्ट, टोपी, जूट बैग, जलपान, लंच, फल, स्टेनरी, चिप्स, चॉकलेट आदि वितरित किया गया। बीईओ ने कहा कि सरकार का उद्देश्य न केवल बच्चों को शैक्षिक रूप से सशक्त बनाना है, बल्कि उनमें भारतीय इतिहास, संस्कृति और धरोहरों के प्रति जागरूक और गर्व की भावना विकसित करना भी है। परिषदीय स्कूलों के बच्चों में जिज्ञासा

–जिज्ञासा आधारित विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए शैक्षिक भ्रमण जरूरी–विजय

आधारित विज्ञान को बढ़ावा देने व उन्हें प्रयोग के अवसर उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत शैक्षिक भ्रमण कराया गया। कहा कि जब विद्यार्थी शैक्षणिक भ्रमण पर जाते हैं तो वे अपनी आंखों से प्रत्यक्ष रूप में देखकर किसी भी विषयवस्तु का वर्णन करने में सक्षम हो जाते हैं।

शैक्षिक भ्रमण में मुख्य रूप से गिरिजेश बहादुर सिंह, संदीप सिंह, उदय प्रताप सिंह, राम सागर वर्मा, रवीश कुमार मिश्र, प्रमोद त्रिपाठी, सत्यराम वर्मा, विद्यासागर वर्मा, रामतौल शर्मा, ओम प्रकाश, राजीव शरण, अमर चन्द, प्रभात रंजन, चन्दारानी, मीरा चौधरी, कालिंदी, अंजनी, हनुमत प्रसाद, रामशीष, सुभाष वर्मा, वीरेंद्र, राजरतन, दिनेश, सुनील, राजेश, राजेंद्र प्रसाद, आनन्द, विजय वर्मा, मंशाराम वर्मा, घनश्याम पाण्डेय, लल्लन चंद्र त्रिपाठी, दिनेश शुक्ल, धीरेन्द्र सिंह, शैलेन्द्र सिंह, रजनीश चौधरी, अरविंद सिंह, दीपक चौधरी, रंजीत, अभिषेक त्रिपाठी, विनोद मिश्र आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 28 नवम्बर 2024 गुरूवार

सम्पादकीय

मंदिर, मस्जिद और राजनीति

हमारे राजनेता धार्मिक राजनीति की दलदल के रसातल में पांव रखकर हमेशा चौंकाते रहते हैं। मस्जिद–मंदिर विवाद का उपयोग हमारे नेतागणों द्वारा अपने वोट बैंक की भूख को शांत करने के लिए किया जाता है तथा उनकी एक ही आस्था है और वह है सत्ता। इस बात का इससे बेहतर प्रमाण कोई नहीं हो सकता है कि कल तक उत्तर प्रदेश के संभल की अनजानी सी शाही जामा मस्जिद आज विवाद का विषय बनी हुई है।

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के संभल में एक अन्य मस्जिद हिन्दू और मुसलमानों के बीच कानूनी लड़ाई का केन्द्र बन गई है। इसके परिणामस्वरूप दंगे हुए, भगदड़ मची, लोगों के वाहन जलाए गए और मौतें हुईं और फलतरू इस शहर का जनजीवन ठहर सा गया और यह सब कुछ एक अदालत के न्यायाधीश द्वारा 16वीं सदी में बाबर द्वारा 1526 से 1530 के बीच बनाई गई एक मस्जिद के सर्वेक्षण का आदेश देने के बाद हुआ। इसकी शुरुआत तब हुई, जब एडवोकेट विष्णु जैन, जो ज्ञानवापी मस्जिद कृष्ण जन्म भूमि विवादों में भी वकील हैं, ने दावा किया कि बाबर द्वारा इस जामा मस्जिद का निर्माण कल्कि भगवान के ऐतिहासिक हरिहर मंदिर को तोड़कर किया गया है।

उन्होंने हिन्दू धर्म ग्रंथों को उद्धृत करते हुए कहा कि इस स्थल का हिन्दुओं के लिए धार्मिक महत्व है क्योंकि यह कल्कि का जन्म स्थल है और कलियुग की समाप्ति के बाद भगवान कल्कि प्रकट होंगे। उन्होंने न्यायालय से आग्रह किया कि इस मंदिर का नियंत्रण भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को दिया जाए। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भव्य कल्कि धाम की आधारशिला रखी थी। न्यायालय ने इस मस्जिद के सर्वेक्षण का आदेश दिया और इस प्रक्रिया की निगरानी के लिए एडवोकेट्स कमीशन को नियुक्त किया। रोचक तथ्य यह है कि पहला सर्वेक्षण शांतिपूर्ण रहा। मस्जिद समिति ने हिन्दू–मुस्लिम प्रतिनिधियों की उपस्थिति में 9 नवंबर को अपनी सहमति दी, किंतु रविवार को जब अधिकारी दूसरे सर्वेक्षण के लिए वहां पहुंचे तो उपद्रव हो गया।

हिन्दुओं का दावा है कि बाबरनामा और अबुल फजल की आइने अकबरी में इस बात की पुष्टि की गई है कि जिस स्थल पर आज जामा मस्जिद खड़ी है वहां पर हरिहर मंदिर था। वे 1879 के ब्रिटिश पुरातत्वविद कार्ललाइल की रिपोर्ट का उल्लेख भी करते हैं, जिसमें कहा गया है कि मंदिर के अंदर और बाहर के स्तंभ हिन्दू मंदिरों के स्तंभों की तरह दिखते हैं, इनको छिपाने के लिए उन पर प्लास्टर किया गया है और एक स्तंभ से प्लास्टर हटाने से पता चला कि यह हिन्दू मंदिर वास्तु कला के प्राचीन लाल स्तंभों की तरह हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि मस्जिद की अनेक विशेषताएं और अनेक वस्तुएं इसकी प्राचीनता को दर्शाती हैं और वे हिन्दू मंदिर से जुड़ी हुई हैं। इसके अलावा लेख में यह भी लिखा गया है कि शाही मस्जिद का निर्माण बाबर के दरबारी मीर हिन्दू बेग द्वारा 1526 में एक मंदिर को मस्जिद बनाकर किया गया। इसके बाद पुलिस ने समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर बर्ग और स्थानीय विधायक तथा 6 अन्य लोगों के विरुद्ध हिंसा फैलाने के लिए मामला दर्ज किया है। यह बताता है कि किस प्रकार हमारे नेता राजनीतिक खेल के लिए लोगों की भावनाओं को भड़काते हैं।

आशानुरूप कांग्रेस नेता राहुल ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाया है कि वह पक्षपातपूर्ण है और उसका असंवेदनशील दृष्टिकोण है। वह सभी पक्षों को सुने बिना कार्रवाई कर रहे हैं और इस प्रकार स्थिति को और जटिल बना रहे हैं जिस कारण अनेक मौतें हुई हैं, जिसके लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार है। यह भाजपा–राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा भेदभाव पैदा करने का एक सुनियोजित षड्यंत्र है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी कहा है कि भाजपा की योगी सरकार ने दंगे कराए हैं। जमायत उलेमा ए हिन्द के अध्यक्ष मदनी ने इस सर्वेक्षण को धार्मिक स्थलों के लिए धार्मिक सुरक्षा उपायों का उल्लंघन बताया तो भाजपा ने इसका प्रत्युत्तर यह कहकर दिया कि घमंडिया गठबंधन के नेता लोकसभा चुनावों के बाद लोगों में आक्रोश पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं। यदि न्यायालय कोई आदेश देता है तो उसको लागू किया जाएगा। मुसलमान इसको एक उकसावे की कार्रवाई मानते हैं जो उनके धार्मिक स्थल की पवित्रता का उल्लंघन करती है। वे 1991 में उच्चतम न्यायालय द्वारा पूजा स्थल अधिनियम में दिए गए निर्णय का उल्लेख करते हैं जिसमें कहा गया था कि 1947 में जो धार्मिक स्थल जिस स्वरूप में था, उसका स्वरूप यथावत रहेगा और उसे बदला नहीं जाएगा। साथ ही वे मस्जिद के ऐतिहासिक ढांचे का उल्लेख भी करते हैं।

मुस्लिम मौलवियों का कहना है कि हिन्दुत्व ब्रिगेड को एक नया साधन मिल गया है। वे मस्जिदों को तोड़कर मंदिरों पर पुनः दावा कर रहे हैं ताकि हिन्दू बहुसंख्यक उन्हें भावनात्मक मुद्दों पर सत्ता में वापस करने में मदद करें और यह भावनात्मक मुद्दा आस्था और मुस्लिम आक्रांताओं से बदला लेने की आधारशिला पर तैयार किया गया है जो एक इतिहास है। निश्चित रूप से इस मामले में एक लंबा वैचारिक और कानूनी संघर्ष चलेगा। पहले ही 5 स्थलों पर विभिन्न ढांचों को न्यायालयों में चुनौती दी गई है, हालांकि पूजा स्थल अधिनियम अभी भी लागू है। इन स्थलों में वाराणसी, मथुरा, आगरा, मध्य प्रदेश में धार और नई दिल्ली के धार्मिक स्थल शामिल हैं। वस्तुतरू इन विवादों से राजनीति जुड़ी हुई है और यह बड़े विवाद का कारण भी बन सकते हैं। इसलिए इनके समाधान के लिए अयोध्या निर्णय से सबक लेना चाहिए। इस निर्णय ने भारत को एकीकृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। निरूसंदेह चाहे कोई कितनी भी उकसावे की कार्रवाई क्यों न करे, कानून के शासन की उपेक्षा नहीं की जा सकती।इन मुद्दों पर अडियल रूख सौहार्द स्थापित करने का फार्मूला नहीं है। बहुलवादी समाज में, जहां पर अनेक धर्म सह अस्तित्व के साथ रह रहे हैं, वहां पर हिन्दुओं और मुसलमानों को न्यायालय के निर्णय की प्रतीक्षा करनी होगी अथवा आपस में बैठकर ऐसे मुद्दों का समाधान करना होगा। इसकी शुरुआत विष्णु भक्तों और रहीम भक्तों की राष्ट्र भक्ति की भावना के साथ मिल बैठकर कदम उठा कर करनी चाहिए।

अब लाड़ली बहनों के हाथ सत्ता की चाबी

—क्षमा शर्मा—

टीवी चैनल पर महाराष्ट्र की एक महिला ने कहा कि सरकार की योजना से उसे जो पैसे मिले, उससे वह पहली बार साड़ी खरीद सकी। यह कितने अफसोस की बात है कि जब शादियों में दिखावे के रूप में पांच हजार करोड़ तक खर्च किए जा रहे हों, तब उसी प्रदेश में एक स्त्री इस बात के लिए धन्यवाद दे कि वह जीवन में पहली बार साड़ी खरीद सकी।

जब पिछले दिनों मध्य प्रदेश के चुनाव में वहां के भूतपूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भारी बहुमत प्राप्त किया था, तो उन्होंने कहा था कि लाड़ली बहनों ने उन्हें जीत दिलाई है। सारा श्रेय उन्हीं को दिया जाना चाहिए। कल किसी ने जब कहा कि भारतीय जनता पार्टी रेवड़ियां का विरोध करती है और उसने महिलाओं को खूब रेवड़ियां बांटी तो एक अन्य दल की महिला नेत्री ने कहा कि इसे रेवड़ी नहीं, वुमेन एम्पावरमेंट कहते हैं। और महाराष्ट्र कोई गरीब राज्य नहीं कि सरकार जरूरतमंद स्त्रियों की मदद नहीं कर सकती।

स्त्री सशक्तीकरण में स्त्रियों के हाथ में पैसे हों, उनकी क्रय शक्ति बढ़े, वे अपनी जरूरतें पूरी कर सकें, इसकी बड़ी भूमिका मानी जाती है। इसके अलावा स्त्री विमर्श कहता है कि स्त्रियों के नाम अक्सर चल–अचल सम्पत्ति नहीं होती। इसलिए वे हमेशा अपने परिवार के पुरुषों के भरोसे रहती हैं। लेकिन पिछले कुछ सालों में केंद्र सरकार ने स्त्रियों के नाम से ही पक्के घर दिए हैं। उन्हीं के नाम अगर जमीन की रजिस्ट्री हो तो स्टाम्प ड्यूटी में दो प्रतिशत की छूट मिलती है। इससे पहली बार भारत में स्त्रियों के अपने घर हो सके हैं। अक्सर स्त्रियों को हिंसा झेलते हुए, सबसे पहले घर से निकाला जाता है। अब जब घर उनके ही नाम पर है, जमीन उनकी है, तो किसकी हिम्मत है कि उन्हें घर से निकाल सके।

महाराष्ट्र में इस बार पंद्रह चुनाव क्षेत्रों में महिलाओं ने पुरुषों से भी अधिक वोट दिए। 65.22 प्रतिशत महिलाओं ने वोट दिया। कुछ स्थानों पर रजिस्टर्ड महिला मतदाताओं की संख्या भी पुरुषों से ज्यादा थी। कुल 30.64 मिलियन वोटर्स में कुल महिला वोटर्स की संख्या 46.99 है। महिला मतदाताओं के बड़ी संख्या में बाहर आने के बारे में बताया जा रहा है कि इसका बड़ा कारण लाड़की (लड़की) बहणी योजना को है। जिसमें महिलाओं को पंद्रह सौ रुपये प्रतिमाह दिए गए और सरकार बनने पर इक्कीस सौ रुपये देने का वादा किया गया। चुनाव में जीत के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शिंदे ने भी लाड़ली बहनों का धन्यवाद किया। महाराष्ट्र में स्त्रियों की शिक्षा के लिए आर्थिक मदद का भी प्रावधान किया गया था।

इसी तरह झारखंड में भी हेमंत सोरेन सरकार की वापसी का श्रेय, उनकी स्त्री सम्बंधी योजनाओं को दिया जा रहा है। जिसमें प्रमुख थींकू स्कूल जाने वाली लड़कियों को साइकिल मुफ्त देना, एकल मां को आर्थिक सहायता प्रदान करना, बेरोजगार स्त्रियों को मासिक भत्ता, मइया योजना के अंतर्गत गरीब स्त्रियों को साल में बारह हजार रुपये की मदद। इससे गरीब परिवारों और स्त्रियों के जीवन में कुछ खुशहाली आई। आदिवासी इलाकों में इसे विशेष रूप से महसूस किया गया। चूंकि स्त्रियों के खाते में पैसे सीधे भेजे जाते हैं, इसलिए उसका लाभ भी सीधे उन्हें ही मिलता है। इससे उनका परिवार भी लाभान्वित होता है। ऐसी योजनाएं अकेली बेसहारा माताओं, विधवाओं, स्कूल जाती लड़कियों को विशेष लाभ पहुंचाती हैं।

याद होगा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने यहां की स्कूल जाने वाली लड़कियों को साइकिलें दी थीं। सिर्फ एक साइकिल की सहायता से स्कूल जाने वाली लड़कियों में भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। चूंकि वे समूह में स्कूल जाती थीं, इसलिए उनकी सुरक्षा को लेकर भी माता–पिता की चिंता में कमी आई थी और स्कूल जाने वाली लड़कियों की संख्या में भारी बढ़ोतरी हुई थी। उनका ड्रॉप आउट रेट भी कम हुआ था। और परिणामस्वरूप इन लड़कियों के माता–पिता ने अगली बार नीतीश कुमार को बहुमत से विजयी बनाया था।

झारखंड में हेमंत सोरेन ने नीतीश कुमार से सीखा और महाराष्ट्र में शिवराज सिंह चौहान से सीखा गया। हेमंत की जीत में उनकी पत्नी कल्पना सोरेन की भी बड़ी भूमिका है। हेमंत सोरेन को जब जेल भेजा गया, तो उनकी पत्नी कल्पना ने मोर्चा संभाला। उन्हें स्त्रियों की खूब सहानुभूति भी मिली।

इसके अलावा केंद्र सरकार ने भी स्त्रियों के लिए कई योजनाएं चला रखी हैं। जैसे कि नमो ड्रोन दीदी स्कीम–इसमें ग्रामीण महिलाओं को कृषि कार्यों के लिए ड्रोन पायलट्स की ट्रेनिंग दी जाती है। जिससे कि वे आधुनिक तकनीकों से खेती कर सकें। इसके लिए उन्हें आर्थिक मदद भी दी जाती है। उड़ीसा में चलाई जा रही सुभद्रा योजना। जिसके अंतर्गत पांच सालों में गरीब महिलाओं को पचास हजार रुपये ऋणबंधन और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर दिए जाते हैं। महिला सम्मान पेंशन योजना– जिसमें विधवाओं और बूढ़ी महिलाओं को मदद दी जाती है। जिससे कि वे सम्मानपूर्वक जीवनयापन कर सकें। अल्पसंख्यक महिलाओं को बिना किसी ब्याज के पचास हजार रुपये की मदद दी जाती है। इसमें से बस पच्चीस हजार रुपये उन्हें वापस देने पड़ते हैं। इसका लाभ तलाकशुदा और अठारह साल से पचपन साल की अविवाहित महिलाएं उठा सकती हैं। इसी प्रकार दिल्ली, बिहार, राजस्थान, कर्नाटक में भी महिलाओं को लाभ पहुंचाने वाली बहुत–सी योजनाएं हैं।

देखने की बात यह है कि औरतों को लाभ पहुंचाने वाली योजनाएं, नेताओं को विधानसभाओं और लोकसभा में पहुंचा रही हैं। यह स्त्रियों की ताकत है, जिसे वे वोट के जरिए दिखा रही हैं। वे जानती हैं कि उनके जीवन के लिए ऐसी योजनाएं कितनी जरूरी हैं। लोकतंत्र में महिलाएं गेम चेंजर की भूमिका निभा रही हैं।

इस हिसाब से अगर अमेरिका के चुनाव पर नजर डालें तो वहां बड़ी संख्या में महिलाएं ट्रंप के खिलाफ थीं क्योंकि ट्रंप को गर्भपात का विरोधी माना जाता है। मगर वे चाहकर भी ट्रंप को हरा नहीं सकीं।

अपने यहां महिलाएं आगे बढ़कर वोट दे रही हैं। यही नहीं, ऐसी खबरें भी आती रहती हैं कि वे अपने घर के आदमियों की बात भी नहीं मानतीं। वे वहां वोट देती हैं जो उनके जीवन में परिवर्तन ला सके। इनमें ग्रामीण महिलाएं बड़ी संख्या में होती हैं। अब वह समय चला गया है जब चुनाव विश्लेषक कहते थे कि औरतें वोट देने ही नहीं आतीं। इसमें सरकारों द्वारा चलाए गए उन अभियानों का भी हाथ है जो स्त्रियों से कहते थे चूल्ह–चौका बाद में पहले वोट। क्योंकि एक बार महिला घर के काम में लग जाती हैं तो गए रात तक उन्हें दम मारने की फुर्सत नहीं होती। इसलिए पहले वोट फिर कुछ और।

पिछले कुछ दशकों से भारत में राजनीतिक दलों ने महिलाओं की इस ताकत को पहचाना है। इसलिए वे अपने–अपने मेनिफेस्टो में महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर विशेष ध्यान देते हैं। तरह–तरह के वादे करते हैं। और सिर्फ वादे ही नहीं जीतने के बाद उन्हें कुछ हद तक पूरे भी करते हैं।

—लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

इतनी उदास क्यों है जिन्दगी..?

—ललित गर्ग—

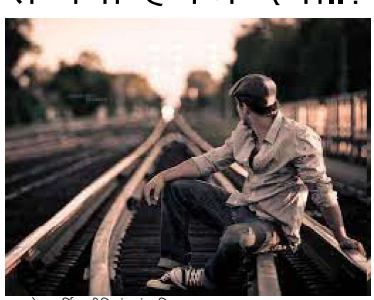

भारत उदास, निराश एवं थके हुए लोगों का देश बनता जा रहा है। हम प्रसन्न समाजों की सूची में अव्वल नहीं आ पा रहे हैं। आज अक्सर लोग थके हुए, उदास, निराश नजर आते हैं, बहुत से लोग हैं जो रोजमर्रा के काम करने में ही थक जाते हैं। उनका कुछ करने का ही मन नहीं होता। छोटे–मोटे काम भी थकाऊ और उबाऊ लगते हैं। विडम्बना तो यह है कि लम्बे विश्राम एवं लम्बी छुट्टियों के बाद भी हम खुद को तरोताजा नहीं बना पा रहे हैं। भारत में ऐसे लोगों का प्रतिशत लगभग 48 तक पहुंच गया है, जो चिन्ता का बड़ा सबब है। ऐसे थके एवं निराश लोगों के बल पर हम कैसे विकसित भारत एवं नये भारत का सपना साकार कर पायेंगे? यह सवाल सत्ता के शीर्ष नेतृत्व को आत्ममंथन करने का अवसर दे रहा है, वहीं नीति–निर्माताओं को भी सोचना होगा कि कहां समाज निर्माण में त्रुटि हो रही है कि हम लगातार थके हुए लोगों के देश के रूप में पहचाने जा रहे है। खुशहाल देशों की सूची में भी हम सम्मानजनक स्थान नहीं बना पा रहे हैं।

हर साल जारी होने वाली वर्ल्ड हैपिनेस रिपोर्ट, जो संयुक्त राष्ट्र सस्टेनेबल डेवलपमेंट सॉल्यूशंस नेटवर्क की प्रस्तुति है, बताती है कि कौन देश सबसे ज्यादा खुश और कौन से देश सबसे ज्यादा दुखी हैं? वैश्विक स्तर पर खुशी का स्तर तय करने के कई पैमाने हैं, जिनमें लोगों की आजादी, स्वास्थ्य, भ्रष्टाचार, आय जैसी बातें शामिल होती हैं। सबसे अधिक दुखी देशों की लिस्ट में पहला नाम अफगानिस्तान का आता है। इस लिस्ट में भारत की रैंकिंग भी बेहद निराश करने वाली है। भारत में उदास एवं निराश लोगों की स्थिति के कई कारण हो सकते हैं–जनसंख्या वृद्धि दर ज्यादा होना, कृषि पर ज्यादा निर्भरता, आर्थिक विकास की दर कम होना, बेरोजगारी, अशिक्षा, आय में असमानता, भ्रष्टाचार, आंतरिक द्वेष, कमजोर आर्थिक नीतियां एवं जटिल प्रशासनिक प्रक्रिया। दुःख जीवन के उतार–चढ़ाव का एक अभिन्न अंग है। जिस तरह इंसान खुशी, निराशा, उदासी, गुस्सा, गर्व आदि भावनाओं को महसूस करता है, उसी तरह हर कोई समय–समय पर दुःख महसूस करता है। दुःख कभी–कभी इंसान को मोटीवेट करने में भी मदद कर सकता है, लेकिन यह जिजीविषा, खुशहाली, सक्रियता, जोश को भी कम करता है। दुनिया की खुशहाल देशों की सूची में भारत इस वर्ष 143 देशों में 126वें स्थान पर है। यह रैंक पिछले साल के मुकाबले बिल्कुल वही रही है। भारत के पड़ोसी देशों में चीन 60वें, नेपाल 93वें, पाकिस्तान 108वें, म्यांमार 118वें, श्रीलंका 128वें और बांग्लादेश 129वें स्थान पर है।

भारत दुनिया का सबसे उदास देश है। शोधों के निष्कर्ष बताते हैं कि जलवायु परिवर्तन एवं अत्यधिक गर्मी के कारण 2100 तक भारत में हर साल 15 लाख लोगों की मौत हो सकती है? इसी कारण उदास लोगों की संख्या भी बढ़ सकती है। 2018 की एक रिपोर्ट कहती है कि भारत सबसे अधिक अवसादग्रस्त देशों की सूची में सबसे ऊपर है। भले ही भारतीयों को स्वभाव से समायोजित और संतुष्ट लोगों के रूप में जाना जाता है, लेकिन यह पता चला है कि वे सबसे अधिक उदास भी हैं। एक तरफ हम खुद को किसी भी चीज में आसानी से समायोजित कर लेते हैं, चाहे वह कम पैसा हो, खराब सड़कें हों, बुनियादी ढाँचे की कमी हो या कुछ भी हो। नेशनल केयर ऑफ मेडिकल हेल्थ के एक अध्ययन के अनुसार लगभग 6.5 प्रतिशत भारतीय गंभीर मानसिक स्थितियों से पीड़ित हैं, चाहे वे ग्रामीण हों या शहरी। सरकार जागरूकता कार्यक्रम चला रही है लेकिन मनोवैज्ञानिकों और मनोचिकित्सकों के साथ–साथ मानसिक स्वास्थ्य डॉक्टरों की भी कमी है।

भारत के मानव–स्वभाव में उग्र हो रही उदासी एवं निराशा का बड़ा कारण प्रदूषित हवा एवं पर्यावरण है। शुद्ध वायु में ही जीवन है और उसी में जीवन की सकारात्मकता एवं जीवन–ऊर्जा समाहित है। यही हमारी अराजक जीवन शैली को संयमित कर सकती है। कुछ ऐसे रोग जो उपचार योग्य नहीं माने जाते, उन पर अंकुश लगा सकती है। व्यक्ति अपने घर में आहार–विहार को संतुलित करके भी उत्साही एवं प्रसन्न होने का प्रयास कर सकता है। हम सूरज के उगने से पहले उठें। धूप में न बैठने से हम विटामिन डी की समस्या से ग्रस्त हो जाते हैं, जिससे शरीर में उदासी एवं निराशा बढ़ जाती हैं। आमतौर पर विदेशों में लोग नवंबर से जनवरी तक सूर्य स्नान लेते हैं जिससे लोगों को विटामिन–डी मिल जाता है। आज आम लोग शारीरिक श्रम नहीं करते। खान–पान की चीजों में भारी मिलावट है। बाजार की शक्तियां कई तरह के भ्रम फैलाती हैं। पारिवारिक जीवन अनेक दबावों से घिरा है, कॉरपोरेट संस्कृति में रिश्ते, स्वास्थ्य एवं खुशहाली बहुत पीछे छूट रही है। वास्तव में अधिकांश आधुनिक रोग काम न करने की बीमारी है। हम लोग दिमाग को थका रहे हैं, शरीर को नहीं थका रहे हैं। इसी वजह से शरीर को भुगतना पड़ रहा है। आदमी पैदल नहीं चल रहा है। स्वस्थ रहने के लिये जरूरी है हम आहार सही ढंग से लें। दरअसल हमारा आहार दवा है। देर रात भोजन करना, देर रात तक जगना एवं सुबह देर से उठना शरीर के साथ अत्याचार करने जैसा है। इन्हीं जटिल से जटिलतर होती स्थितियों ने हमें उदासी दी है। वैसे उदासी, निराशा, थकावट, दुख या खुशी एक ऐसी अवस्था है, जिस पर किसी सर्वे के जरिये एकमत नहीं हुआ जा सकता।

जिन्दगी से खिलवाड़ आखिर कब तक..!

—निर्मल रानी—

सत्ता, गोदी मीडिया व 'अंधभक्तों' की जमाअत संयुक्त रूप से भारत को विश्वगुरु साबित करने के लिये एड़ी चोटी का जोर लगाये हुये है। 7 नवंबर 2024 को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 'ज्ञान' व उसकी विचारधारा को भारतीय शिक्षा से जोड़ने का अथक प्रयास करने वाले,शिक्षा बचाओ आंदोलन के राष्ट्रीय संयोजक दीनानाथ बत्रा का 94 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे एक राष्ट्रीय स्वयंसेवी संस्था विद्या भारती के महासचिव भी थे। बत्रा ने अपना सारा जीवन इसी तरह की बातों को सही साबित करने की कोशिशों में खपा दिया कि हवाई जहाज का अविष्कार राइट ब्रदर्स ने नहीं किया बल्कि यह भारतीय पौराणिक काल की उपलब्धि थी। इसी तरह टेलीविजन के अविष्कार को वे वर्तमान आधुनिक विज्ञान की देन नहीं मानते थे बल्कि इसे महाभारतकाल के पहले की भारतीय खोज बताते थे। ऐसे सैकड़ों विज्ञान सम्मत बातों पर उनके निजी विचार भले ही विश्व स्वीकार्य हों या न हों परन्तु भारत को कथित तौर से श्विश्वगुरुश साबित करने के दिशा में ही एक उठाये गये कदम थे।

परन्तु भारत को पुनः विश्वगुरु के रूप में विश्व में स्थापित करने की इन्हीं कोशिशों के बीच शायद हम यह भूल जाते हैं कि विश्व का नेतृत्व करने की आकांक्षा रखने वाले हमारे देश के अपने नागरिकों की जान माल आखिर कितनी सुरक्षित है ? और दशकों से इंसानी जान से खिलवाड़ करने वाली ऐसी कमजोर कड़ियों से निपटने का हमने अब तक क्या उपाय किया है ? कोई उपाय किया भी है या नहीं ? या सत्ता इस बात को ही अंगीकार कर चुकी है कि बिना सुरक्षित उपायों के ही जब जनता को आसानी से मूर्ख बनाया जा सके तो ऐसे किसी उपायों की जरुरत ही क्या है ? मिसाल के तौर पर बोरवेल में बच्चों के गिरने की देश में कितनी घटनाएं हो चुकीं। कहीं जांबाज सहायता कर्मियों ने अपने अथक प्रयासों से बच्चे को बोरवेल से बाहर निकाल कर उन्हें बचाया तो कई जगह बच्चों को बचा पाना संभव नहीं हो सका। परन्तु ऐसे खबरों का सिलसिला आज भी थमा नहीं है।

कहीं मेन होल टूटने या उसका ढक्कन न होने के कारण होने वाली दुर्घटनाओं के कारण लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती है तो कभी इसी मेन होल की सफाई करते समय कोई सफाई कर्मचारी जहरीली गैस के कारण अपनी जान से हाथ धो बैठता है। जगह जगह सड़कों पर बने गड्ढे दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। सांड़,गाय व आवारा कुत्ते तो देश के किसी न किसी भाग में रोजाना राहगीरों की जान लेते ही रहते हैं। इन्हीं आवारा पशुओं के कारण अनेक दुर्घटनाएं होती रहती हैं। कभी कभी तो ट्रेन हादसों की भी झड़ी सी लग जाती है। कभी 30 अक्टूबर 2022 की गुजरात के मोरबी नामक शहर के मच्छु नदी में बने मोरबी पुल टूटने जैसी दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटित होती है जिसमें 141 लोगों की नदी मन बह जाने से मौत हो जाती है। तो कभी अस्पतालों में यहाँ तक कि बच्चों के अस्पतालों में आग लग जाती है जिसमें जीवित शिशु झुलस कर मर जाते हैं। ऑक्सीजन की कमी या अभाव से भी लोगों के मरने की खबरें आती ही रही हैं। ऐसे और भी अनेक कारणों से 'विश्वगुरु' देश के वासी स्वयं को सुरक्षित महसूस नहीं करते।

इंसान की जान से खिलवाड़ करने वाली सरकारी लापरवाही की ऐसी ही एक दिल दहलाने वाली घटना पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के बरेली के निकट फरीदपुर – बदायूं मार्ग पर स्थित राम गंगा नदी पर निर्माणाधीन एक पुल पर हुई। इस निर्माणाधीन पुल का रास्ता किसी अवरोध या संकेत के माध्यम से बंद नहीं किया गया था। उधर गूगल मैप ने भी इसी आधे अधूरे पुल का मार्ग बताया। उसी मार्ग पर शादी से लौट रहे तीन दोस्त अपनी बुलेरो गाड़ी से पूरी रफ्तार से इसी विश्वास से चल पड़े कि चूँकि पुल का मार्ग खुला है और गूगल मैप भी यह रास्ता सुझा रहा है लिहाजा मार्ग चालू ही होगा। परन्तु वह अर्धनिर्मित पुल हवा में लटका हुआ था। नतीजतन तेज रफ्तार बुलेरो नदी में जा गिरी जिससे तीनों दोस्तों की मौके पर ही मौत हो गयी और वाहन के भी चीथड़े उड़ गये। इस हादसे के बाद अब जानकारी मिल रही है कि रामगंगा नदी पर पिछले साल सितंबर में संपर्क मार्ग बह जाने के बाद से ही यह पुल अर्धनिर्मित अवस्था में ही पड़ा हुआ है। अब यह भी बताया जा रहा है कि लोक निर्माण विभाग ने रामगंगा नदी पर निर्माणाधीन पुल से पहले किसी तरह का बैरियर या अवरोध नहीं लगाया था। इस हादसे का जिम्मेदार पुल निर्माण करने वाली कंपनी, इसके ठेकेदार व प्रशासन की लापरवाही को भी बताया जा रहा है। वाहनों को पुल पर आने से रोकने के लिए लोगों को सावधान करने की गरज से यहां कोई बोर्ड, संकेत या सूचना नहीं लगाई गई है अथवा किसी तरह का अवरोध नहीं लगाया गया था। यहाँ तक कि संबंधित विभाग ने गूगल मैप पर रूट में बदलाव भी नहीं करवाया था। अर्थात यह पुल अर्धनिर्मित है इस बात की जानकारी गूगल पर अपडेट नहीं थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस मामले में लोक निर्माण विभाग के चार लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज हुआ है। पुलिस को दी गई तहरीर में गूगल मैप्स के क्षेत्रीय प्रबंधक को भी जिम्मेदार माना गया है। इसी तहरीर में आरोप है कि –लोक निर्माण विभाग के इन अधिकारियों ने जानबूझकर पुल के दोनों किनारों पर मजबूत बैरिकेडिंग, बैरियर या रिफ्लेक्टर बोर्ड नहीं लगवाए, न ही रोड के कटे होने की सूचना के बोर्ड आदि लगवाए गए।

मासूम बच्ची से हैवानियत, खेत में लथपथ मिली लाश, रेप की आशंका

संवाददाता–देवरिया। एक बच्ची का खून से लथपथ शव खेत में मिला। बच्ची से रेप की आशंका जताई जा रही है। उसके साथ हैवानियत हुई है। घटनास्थल पर एसपी समेत कई पुलिस अधिकारी पहुंचकर छानबीन कर रहे हैं। बच्ची अपनी दादी के मायके में एक शादी समारोह में मंगलवार को आई थी। शादी समारोह के दौरान बच्ची गायब हो गई। देवरिया में एक मासूम बच्ची से हैवानियत की घटना सामने आई है। जिले के भटनी थाना क्षेत्र में बुधवार की सुबह एक बच्ची का खून से लथपथ शव खेत में मिला। बच्ची से दुष्कर्म की आशंका जताई जा रही है। लोगों का कहना है कि उसके साथ हैवानियत हुई है। घटनास्थल पर एसपी समेत कई पुलिस अधिकारी पहुंचकर छानबीन कर रहे हैं।

भटनी थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली बच्ची अपनी दादी के मायके में एक शादी समारोह में मंगलवार को आई थी। शादी समारोह के दौरान शाम करीब पांच बजे बच्ची वहां से गायब हो गई। परिजन पूरी रात उसकी तलाश करते रहे, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। बुधवार की सुबह करीब 11 बजे घर से 200 मीटर दूर अरहर के खेत में उसका खून से लथपथ शव मिला। बच्ची अर्धनग्न अवस्था में थी। शव से कुछ दूरी पर उसके कपड़े मिले। बच्ची के गले पर भी जख्म है।

घटना की जानकारी होते ही भटनी के थाना अध्यक्ष अश्वनी प्रधान मौके पर पहुंचे और छानबीन शुरू की। उनकी सूचना पर सीओ भाटपार रानी शिवप्रताप सिंह भी घटनास्थल पर पहुंच गए। मामले की जानकारी मिलते ही एसपी संकल्प शर्मा भी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने थानेदार से घटना की जानकारी ली। एसपी ने बताया कि घटना की छानबीन की जा रही है।

इस घटना को लेकर लोगों में काफी आक्रोश है। आक्रोशित परिजनों ने बच्ची का शव पुलिस को सौंपने से इंकार कर दिया है। वे लोग मामले की छानबीन करते हुए जल्द खुलासा करने की मांग कर रहे हैं। पुलिस अधिकारी उन्हें समझाने में जुटे रहे।

गन्ने और गुड़ के लिए जंगल से बाहर निकल रहे हाथी, मचा रहे तबाही

संवाददाता–बहराइच। कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के किनारे बसे ग्रामीण क्षेत्रों में आये दिन जंगली हाथी आबादी व खेतों में पंहुचकर भारी तबाही मचाते हैं। इसकी वजह से ग्रामीणों को भागकर जान बचाना पड़ता है। जंगली हाथी इतने आक्रामक होते हैं कि अगर इन हाथियों ने किसी को देख लिया तो उसे दौड़ाकर कुचल देते हैं। वहीं, वन विभाग के पास अभी तक हाथी के हमले रोकने के कोई ठोस उपाय नहीं है। एक संस्था के द्वारा गज मित्रों को नियुक्त कर ग्रामीणों को हाथियों के हमले से बचाव के लिए जागरूक किया जा रहा है। कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग सात वन रेंजों में बंटा हुआ है जिसमें तीन वन रेंजों में हाथियों के हमले सबसे अधिक होते हैं।

कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग में 250 से 300 तक हाथी होने का अनुमान है। इसमें से कुछ हाथी नेपाल के रायल बर्दिया पार्क से आये हैं। यह हाथी 40 से 60 के झुंड में रहते हैं और इनमें से कुछ टस्कर हाथी होते हैं जो काफी खतरनाक और आक्रामक होते हैं।

कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के किनारे ग्रामीण क्षेत्रों में काफी मात्रा में गन्ने की खेती होती है। हाथियों को गन्ना और गुड़ बहुत पसंद होता है जिससे हाथी जंगल से बाहर निकलकर आबादी की ओर रूख कर देते हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में पंहुचकर गन्ने की फसल के साथ साथ अन्य फसलों को तबाह कर देते है। कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग को हाथी रिजर्व घोषित होने के बाद हाथियों के हमले में चार ग्रामीणों की जान भी जा चुकी है। वहीं तीन हमलों में ग्रामीणों ने भाग कर जान बचाई है। हाथियों द्वारा दर्जनों घर गिराया जा चुका है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बस्ती

सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा निम्नलिखित भवन संख्या के स्वामियो/क्रेतागणों तथा अन्य व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि निम्न भवनों के नाम परिवर्तन की कार्यवाही नगर पालिका परिषद बस्ती में बिचाराधीन है सम्बान्धित पक्षो को धारा 147 (2) की नोटिस भेजी जा चुकी है आपत्तिकर्ता सम्पूर्ण प्रमाण सहित विज्ञापन प्रकाशित होने के दिनांक से 30 दिन के अन्दर अपना पक्ष/आपत्ति नगर पालिका परिषद बस्ती के कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा सहनियम कार्यवाही करते हुए प्रकरण निस्तारित कर दिया जायेगा।

क्र0	प्रापर्टी आई0डी0	आवेदन संख्या	वर्तमान नाम	प्रास्तावित नाम		अधार
1	2	3	4	5		6
1	0951701006029030R/	PM5172425003243/	श्रीमती मुन्नी सुशीला देवी पत्नी स्व० श्री रामानन्द	सुरेन्द्र कुमार	रामानंद	वारिसान
2	0951701006028358R/	PM5172425003241/	श्रीमती शांति त्रिपाठी पत्नी श्री राधवेन्द्र प्रताप त्रिपाठी	कंचन त्रिपाठी	आर० पी० त्रिपाठी	रजि0 वसीयत
3	0951701005037298N/	PM5172425003239/	श्री मयंक गाडिया पुत्र पवन कुमार अग्रवाल	मुन्नी देवी	राम जी बरनवाल	रजि0 सेल डीड
4	0951701004026170R/	PM5172425003238/	तारा देवी पत्नी अनन्त राम धुसिया	जगदीप धुसिया	अनन्त प्रसाद घुसिया	वारिसान
5	0951701005027008R/	PM5172425003237/	श्रीमती गीता सिंह पत्नी श्री प्रदीप कुमार सिंह	संजीव कुमार	श्याम लाल	रजि0 सेल डीड
6	0951701001023899R/	PM5172425003236/	राम सुमेर दूबे पुत्र जगेश्वर दूबे	ज्ञान प्रकाश	राम सुमेर दूबे	वारिसान
7	0951701007028128R/	PM5172425003233/	डा० जवाहर पाल पुत्र ज्वाला पाल	यशवंत विक्रम	जवाहर पाल	वारिसान
8	0951701007035948R/	PM5172425003231/	इश्तियाक अहमद रब्बानी खान, श्री शराफत रब्बानी, श्री सलीम रब्बानी खान, श्री मोहम्मद असलम खान श्री अशफाक रब्बानी खान, पुत्रगण स्व० गुलाम रब्बानी खान आयशा रब्बानी खान पुत्री स्व० गुलाम रब्बानी खान	नबील अहमद	नदीम अली खान	रजि0 सेल डीड
9	0951701007035948R/	PM5172425003230/	इश्तियाक अहमद रब्बानी खान, श्री शराफत रब्बानी, श्री सलीम रब्बानी खान, श्री मोहम्मद असलम खान श्री अशफाक रब्बानी खान, पुत्रगण स्व० गुलाम रब्बानी खान आयशा रब्बानी खान पुत्री स्व० गुलाम रब्बानी खान	अब्दुल कादिर	अब्दुल क्यूम खान	रजि0 सेल डीड
10	0951701007035948R/	PM5172425003232/	इश्तियाक अहमद रब्बानी खान, श्री स शराफत रब्बानी, श्री सलीम रब्बानी खान, श्री मोहम्मद असलम खान श्री अशफाक रब्बानी खान, पुत्रगण स्व०गुलाम रब्बानी खान आयशा रब्बानी खान पुत्री स्व० गुलाम रब्बानी खान	सरवत कादिर	नदीम अली खान	रजि0 सेल डीड
11	0951701006022497R/	PM5172425003229/	श्रीमती तजीवुन्निशा पत्नी शफी मोहम्मद	नसीम अख्तर	सफी मोहम्मद	वारिसान
12	0951701008036651R/	PM5172425003224/	शशि वर्मा पत्नी अमर ज्योति वर्मा	दुर्गावती देवी	राज कुमार गौंड	रजि0 सेल डीड
13	0951701003021345R/	PM5172425003222/	भानमती पत्नी अयोध्या प्रसाद	त्रिजुगी नाथ वर्मा	अयोध्या प्रसाद	वारिसान
14	0951701004026231R/	PM5172425003221/	अयोध्या प्रसाद पुत्र सीता राम	त्रिलोकी नाथ सोनी	अयोध्या प्रसाद	वारिसान
15	0951701003022499R/	PM5172425003257/	श्यामसुन्दर पुत्र काशी प्रसाद	अनिल कुमार गाडिया	श्याम सुन्दर गाडिया	वारिसान
16	0951701008031843R/	PM5172425003265/	उपेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव पुत्र श्री अंगद प्रसाद श्रीवास्तव	अमन कुमार श्रीवास्तवा	उपेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तवा	वारिसान
17	0951701008033097R/	PM5172425003252/	श्री रमेश कुमार गुप्ता पुत्र लक्ष्मी नारायन	शोभित गुप्ता	रमेश कुमार गुप्ता	वारिसान
18	0951701007037276N/	PM5172425003251/	रमेश कुमार	शोभित गुप्ता	रमेश कुमार गुप्ता	वारिसान
19	0951701008031901R/	PM5172425003247/	श्री दिव्य ज्योति वर्मा, श्री अमर ज्योति वर्मा, श्री विमल ज्योति वर्मा पुत्रगण श्री विभूति भूषण वर्मा	नवीन ज्योति भूषण दत्त वर्मा	दिव्य ज्योति वर्मा	वारिसान
20	0951701001024197R/	PM5172425003244/	लाली देवी पत्नी अलगू	अभिषेक कुमार गुप्ता	अशोक कुमार गुप्ता	रजि0 वसीयत

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, बस्ती

पत्रांकः– 5053A /न0पा0प0 बस्ती/कर अनुभाग/विज्ञप्ति/2024–25 दिनांकः–27 नवम्बर 2024

महेश योगी राजधानी दिल्ली में करेंगे लगातार 264 कपालभांति प्राणायाम की साधना

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। अयोध्या हनुमानगढ़ी के संत, श्री हनुमान जी के परम उपासक डा. महेश दास उर्फ स्वामी महेश योगी ने राजधानी दिल्ली में 11 दिवस तक अनवरत कपालभांति की साधना के संकल्प व्रत को पूर्ण करने हेतु 24 नवंबर प्रातः 7 बजे राजधानी में श्री हनुमान चालीसा का अनवरत 1111 पाठ करने का एक बृहद अनुष्ठान आरंभ किया जिसका समापन 26 नवंबर प्रातः 6 बजे लगभग 47 घंटे में 1111 हनुमान चालीसा का पाठ पूर्ण कर इस दिव्य अनुष्ठान की पूर्णाहुति किया।

बताते चलें कि अयोध्या सिद्धपीठ श्री हनुमानगढ़ी में छरू माह से श्री हनुमान जी के सानिध्य में अष्टसिद्धि साधना व रुद्र राज योग की साधना कर रहे स्वामी महेश योगी सम्पूर्ण भारत वर्ष में श्री हनुमान भक्ति आन्दोलन संचालित कर सनातन धर्म के अभ्युदय तथा योगमय भारत बनाने जैसे अनेकों महनीय उद्देश्यों की प्राप्ति के लिय साधना रत हैं। जन जन में योग शक्ति की ऊर्जा पुंज को स्थपित करने हेतू स्वामी जी ने अनेकों अभियान चलाया तथा भारत के चारों दिशाओं में चार दिव्य योग धाम की स्थापना के लिए कार्य कर रहे हैं।अपनी कठोर दृढ़ साधना से महेश योगी ने पहले भी अनेकों आश्चर्य जनक विश्व कीर्तिमान बनाकर विश्व पटल पर भारत का गौरव बढ़ाया है।जिसमें अनवरत 2 करोड़ 18 लाख 26800 कपालभाति करने का विश्व रिकॉर्ड, अनवरत 76 घंटे तक योग मैराथन करने का विश्व रिकॉर्ड, अनवरत 51 घंटे कपालभाति करने का विश्व रिकॉर्ड, 1 मिनट में 21 बार सूर्य नमस्कार करने का विश्व रिकॉर्ड, अयोध्या मां सरयू की गोद में लगातार 13100 बार डुबकियां लगाने का विश्व रिकॉर्ड, चित्रकला के क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी व्यक्ति चित्र श्रृंखला बनाने तथा भारत ऋषि ज्ञान एनसाइक्लोपीडिया के लेखन कार्य जैसे अनेकों विशिष्ट विश्व कीर्तिमान महेश योगी के नाम से दर्ज हैं।

महिला सफाईकर्मी ने ग्राम प्रधान को चप्पल से पीटा, सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

संवाददाता–देवरिया। जिले से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। जहां पेरोल पर हस्ताक्षर न करने पर एक महिला सफाईकर्मी ने ग्राम प्रधान की सरेआम चप्पल से पिटाई कर दी। यह घटना सीसीटीवी फुटेज कैमरे में कैद हो गई। ग्राम प्रधान की शिकायत के बाद पुलिस ने महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए निरोधात्मक कार्रवाई की है। आरोपी महिला सफाईकर्मी ने भी ग्राम प्रधान और कुछ अन्य लोगो के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। उसने तहरीर में मारपीट और छेड़खानी का आरोप लगाया है।

ये घटना पथरदेवा ब्लॉक के एक गांव का है। प्रधान का आरोप है कि ग्राम पंचायत में तैनात महिला सफाईकर्मी डयूटी ठीक से नहीं करती है। इसकी कई बार उच्चाधिकारियों से शिकायत की जा चुकी है। इसके बावजूद भी सफाईकर्मी की व्यवहार में कोई सुधार नहीं हुआ। 22 नवंबर की सुबह सफाईकर्मी ग्राम प्रधान के दरवाजे पर पेरोल पर दस्तखत कराने के लिए पहुंची थी। ग्राम प्रधान और सफाईकर्मी में तीखी नोकझोंक होने लगी।

इसके बाद अचानक सफाईकर्मी ने चप्पल से ग्राम प्रधान की ताबड़तोड़ पिटाई करनी शुरू कर दी। गांव वालों ने बीच–बचाव करते हुए महिला को अलग किया। हालांकि ग्राम प्रधान के घर में लगे कैमरे में यह सारी वारदात कैद हो गई। जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

इस मामले में थानाध्यक्ष प्रदीप आस्थाना ने कहा कि ग्राम प्रधान की तहरीर के आधार पर सफाईकर्मी के खिलाफ केस दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। वहीं, प्रभारी जिला पंचायत राज अधिकारी ने बताया कि उनके पास मारपीट का वीडियो आया था। जिसमें प्रधान और सफाईकर्मी के बीच विवाद होता दिख रहा है। एडीओ पंचायत की जांच में वीडियो सही पाया गया। कर्मचारी आचरण नियमावली के खिलाफ कार्रवाई करते हुए महिला को सस्पेंड कर दिया गया है।

डीआईओएस कार्यालय के वरिष्ठ लिपिक, स्टेनो समेत पांच पर धोखाधड़ी का मुकदमा

संवाददाता–बहराइच। डीआईओएस कार्यालय के वरिष्ठ लिपिक, स्टेनो, राहत इंटर कॉलेज अल्पसंख्यक संस्थान के प्रबंधक, प्रधानाचार्य समेत पांच लोगों पर कोर्ट के आदेश पर मंगलवार को नानपारा कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया है। इन सभी पर आरोप है कि बलरामपुर जिले के एक कॉलेज में अल्पसंख्यक सहायक पद पर नियुक्ति दिलाने के नाम पर 24 लाख रुपये की धोखाधड़ी की। पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू की है।

नानपारा कोतवाली के मिरयासी टोला निवासी गुरफान खान की तरफ से दर्ज कराई गई एफआईआर के अनुसार वर्ष 2016–17 में उनकी मां मरजिया बेगम राहत इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य के पद पर कार्यरत थी। आरोप है इसी दौरान वैध भगवानदीन इंटर कॉलेज में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी राजवती ने बलरामपुर जिले के युसूफ इंटर कॉलेज में अल्पसंख्यक सहायक का पद खाली होने की बात बताते हुए अपने परिचित गोंडा जिले के बनवटिया सुनहरा सुगौती निवासी वरिष्ठ लिपिक कृष्ण कुमार मिश्रा के माध्यम से रुपया देकर बेटे को भर्ती कराने की बात करते हुए मुलाकात कराई।

इनके द्वारा विभिन्न प्रक्रिया पूर्ण करते हुए आरटीजीएस और अन्य माध्यमों से कई बार में कुल 24 लाख 50 हजार रुपया ले लिया। इसके बाद वर्ष 2017 में राहत इंटर कॉलेज नानपारा में रिक्त हिन्दी एलटी ग्रेड सहायक अध्यापक के पद पर विद्यालय में नियुक्ति करवाने का आश्वासन देकर उक्त विद्यालय के प्रबंधक अरशद खान व प्रधानाचार्य से साक्षात्कार करवाया। कुछ समय बीतने के बाद वरिष्ठ लिपिक केके ने अपने कार्यालय में तैनात स्टेनो बस्ती वासदेव कुंवर गांव निवासी हरेंद्र सिंह को साढ़े छह लाख रुपये उनसे दिलवा दिए।

वर्ष 2019 में उक्त लोगों ने सात जुलाई 2017 का फर्जी नियुक्ति पत्र राहत इंटर कॉलेज कार्यालय में सौंपते हुए अगले दिन से संस्था में आकर कार्य करने को कहा। वहां पर दूसरे दिन विद्यालय पहुंचने पर उनसे कोई कार्य नहीं लिया गया और वे बराबर विद्यालय जाते रहे। इसी दौरान कोरोना महामारी आने से विद्यालय बंद हो गया। उनके खाते में वेतन न आने पर संपर्क किया तो लिखापढ़ी चलने की बात बताते हुए कुछ दिन इंतजार करने की बात बोली गई। काफी समय बीतने के बाद संस्था में काम करने वाले अन्य लोगों से नियुक्ति न होने और धोखाधड़ी होने का पता चला। उक्त लोगों से संपर्क करने पर ढाई लाख रुपया वापस कर शेष रुपया देने से इंकार कर दिया। इसके बाद कोर्ट के आदेश पर नानपारा कोतवाली पुलिस ने आरोपियों पर धोखाधड़ी समेत अन्य धारा में केस दर्ज किया है।

नानपारा कोतवाल प्रदीप सिंह ने कहा कि न्यायालय के आदेश पर डीआईओएस कार्यालय के वरिष्ठ लिपिक, स्टेनो समेत पांच लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है, जांच जारी है।

डीआईओएस मनोज कुमार अहिरवार ने कहा कि दोनों कर्मचारी सेवानिवृत्त हो चुके है। मामले की जानकारी नहीं है, जानकारी कर सूचित किया जाएगा।

राम जन्मभूमि में राम लला के दर्शन कर की छत्तीसगढ़ की सुख समृद्धि की कामना

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। छत्तीसगढ़ से समाजसेवी और भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्य समिति सदस्य संतोष अग्रवाल अयोध्या श्री संकट मोचन हनुमान किला पहुंचे जहां पर आश्रम के पीठाधीश्वर महंत परशुराम दास महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया और छत्तीसगढ़ राज्य की समृद्धि और विकास के लिए, श्री राम लला का दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। श्री संकट मोचन हनुमान किला पर लगभग 10 वर्षों से अयोध्या में आने वाले श्रद्धालुओं और गरीबों के लिए सांध्यकालीन अनवरत चल रहे श्री बर्फानी दादा अन्नक्षेत्र देख कर प्रसन्न हुए और इसको विस्तार देने की बात कही।

उन्होंने कहा कि अयोध्या और छत्तीसगढ़ का रिश्ता त्रेता युग पुराना है और प्राण प्रतिष्ठा के बाद इसमें इसमें नई ऊर्जा का संचार हुआ है। उन्होंने कहा कि अयोध्या का विकास देखकर के मन प्रसन्न हो गया निश्चित ही प्रभु श्री राम की राजधानी का विकास ऐसे ही होना चाहिए और आने वाले समय में इसमें पूरा परिवर्तन हो जाएगा। महंत परशुराम दास जी महाराज ने बताया कि आश्रम का छत्तीसगढ़ से बहुत पुराना नाता है और छत्तीसगढ़ के लोग आश्रम में आते रहते हैं इसी क्रम में संतोष अग्रवाल अयोध्या पहुंचे अतिथि देवो भव के उद्देश्य से अयोध्या में इनका स्वागत किया गया राम लला हनुमान जी का प्रसाद भेंट किया गया जिससे वह छत्तीसगढ़ पहुंचकर अपने सभी सहयोगियों को अयोध्या का प्रसाद मिला सकें। और इसके साथ–साथ छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की परिवार के सुख समृद्धि के लिए विशेष प्रार्थना की।

पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को मिले त्वरित न्याय

संवाददाता–श्रावस्ती। राज्य महिला आयोग की सदस्या एकता सिंह बुधवार को श्रावस्ती पहुंचीं। उन्होंने विकास भवन सभागार में कैंप लगा कर पीड़ित महिलाओं की शिकायतें सुनीं। इस दौरान 21 शिकायती पत्रों में से सात का मौके पर निस्तारण किया। सुनवाई के दौरान एकता सिंह ने कहा कि समस्याओं से पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को त्वरित न्याय मिलना चाहिए। जिससे महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके हक के प्रति सजग किया जा सके। सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों का दायित्व बनता है कि वे महिलाओं एवं बालिकाओं की छोटी–बड़ी सभी शिकायतों को गम्भीरता से लें और त्वरित कार्रवाई करके उन्हें न्याय दिलाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सभी बहन बेटियों के मान सम्मान को बनाये रखने के लिए उनकी सुरक्षा हेतु 1090, 181 का संचालन कर रही है। यदि कोई भी व्यक्ति किसी भी महिला एवं बालिका के मान सम्मान को ठेस पहुंचाने की कोशिश करता है तो वह बेझिझक इन टोल फ्री नम्बर का उपयोग कर शिकायत कर सकती है। यदि उनको समय से न्याय नही मिलता है तो वे राज्य महिला आयोग में शिकायत दर्ज करा सकती है। ऐसे प्रकरणों पर निश्चित ही महिला आयोग समस्या से पीड़ित महिलाओं व बालिकाओं को न्याय मिलेगा। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी भिनगा सतीश शर्मा, जिला प्रोबेशन अधिकारी सुबोध कुमार सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी पीके दास, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अजय कुमार गुप्ता, सहित सम्बन्धित अधिकारी एवं पीड़ित महिलाएं मौजूद रहीं।

जिला बार एसोसिएशन की मर्यादा व प्रतिष्ठा को बढ़ाने वाले को करेंगे वोट

संवाददाता–गोंडा। जिला बार एसोसिएशन (डीबीए) का अध्यक्ष निर्भीक व संघ का नेतृत्व करने में निपुण तथा साहसी छवि का हो जो बार एसोसिएशन की मर्यादा व वकीलों का सम्मान बरकरार रखे। निहित स्वार्थों के लिए संघ की संप्रभुता को खतरे में न डाले। कुछ ऐसे ही मुद्दों को ध्यान में रखते हुए प्रबुद्ध वर्ग इस बार बार एसोसिएशन चुनाव में मतदान करने की सोच रहा है। बार एसोसिएशन के चुनाव में 29 को मतदान होगा। इस बार अध्यक्ष पद के लिए कुल छह प्रत्याशी आलोक कुमार पाण्डेय, इंद्र मणि शुक्ला, रवि चंद्र त्रिपाठी,अनिल कुमार सिंह, राम बुझारथ द्विवेदी व अजीत कुमार श्रीवास्तव चुनाव मैदान में हैं। जिनके भाग्य का फैसला एक हजार सात सौ सत्रह वकील अपने मतदान से करेंगे। किसके सिर जीत का सेहरा बंधेगा और कौन हारेगा यह भविष्य के गर्भ में है।चुनाव की तिथि नजदीक देखकर कलेक्ट्रेट और कहचरी में प्रत्याशी अपने पक्ष में मतदाताओं को रिझाने के लिए हर संभव कोशिश में जुटे हुए हैं। लेकिन मतदाताओं का रूख स्पष्ट न होने से प्रत्याशियों के चेहरों पर हवाइयां उड़ रही हैं । इस बार अध्यक्ष पद से लेकर कार्यकारिणी तक कुल 46 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। इनमें अध्यक्ष व महामंत्री का पद काफी अहम माना जाता है। इसके लिए अधिवक्ताओं ने आपसी मीटिंग शुरू कर दी है। उनका कहना है कि बार के अध्यक्ष का पद बहुत ही गरिमा व मर्यादापूर्ण हैं। इस कुर्सी पर बैठने के लिए बेदाग, निर्विवाद एवं सुलझा हुआ व्यक्तित्व का चुना जाना चाहिए। यदि अधिवक्ताओं ने किसी के झूठे और लुभावने वादे तथा गुटबाजी में आकर मत दे दिया तो हमारी सुरक्षा व सम्मान पर भी प्रश्नचिन्ह लग जाएगा। महामंत्री के चुनाव के मुद्दे पर वकीलों ने कहा कि यदि अध्यक्ष सही है तो महामंत्री स्वतरू सही रहेगा इसलिए सबसे अहम चुनाव अध्यक्ष पद ही है।

उपचुनाव में भाजपा के लोगों ने कम प्रशासन ने ज्यादा मेहनत की–अखिलेश यादव

संवाददाता–अंबेडकरनगर। जिले के दौरे पर पहुंचे पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा है कि कटेहरी का परिणाम शासन–प्रशासन ने छीना है। यह सपा की जीती हुई सीट थी जिसे भाजपा ने बेईमानी से जीता है। जब भाजपा को लगा कि खुद नहीं जीतेंगे तो अफसरों को आगे कर दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने उन्हें चुनाव लड़ने का नया तरीका सिखाया है। कोचिंग दी है। हमारी सरकार आने पर हम अफसरों को देखेंगे। उन्होंने कहा कि इन चुनाव में भाजपा कार्यकर्ताओं ने कम प्रशासन ने ज्यादा वोट डाला। उन्होंने कहा कि यह उपचुनाव लखनऊ और दिल्ली के बीच की लड़ाई थी, जिसमें लखनऊ को दिखाना था कि हम जीत गए। इस चुनाव में लोकतंत्र और संविधान पर चोट की गई। एनटीपीसी और निजी कंपनियों के सीएसआर का उपयोग कर जिले में स्कूटी और सिलाई मशीन बांटी गई। प्रधान और कोटेदार के साथ क्या हुआ सबको पता है।

संभल की घटना को साजिश बताते हुए कहा कि जिस तरह कुछ लोग माहौल खराब कर दिल्ली तक पहुंचे। अब उसी राह पर यूपी में चलने की कोशिश हो रही है। अखिलेश ने सुप्रीम कोर्ट से मामले का स्वतः संज्ञान लेने की मांग की। कहा कि चुनावी बेईमानी से ध्यान हटाने के लिए भी संभल कांड कराया गया। दूसरे सर्वे में भाजपा के लोग नारे लगाते चल रहे थे उन पर कार्रवाई क्यों नहीं की गई?

राम मंदिर के पुजारियों के लिए तैयार हुई नियमावली, जल्द ही ड्रेस कोड की व्यवस्था भी होगी लागू

संवाददाता–अयोध्या। राममंदिर में पूजा–पाठ के लिए प्रशिक्षित किए गए नए अर्चकों को जल्द ही राममंदिर में पूजा–पाठ की जिम्मेदारी मिल सकती है। राम मंदिर के पुजारियों के लिए नई नियमावली भी तैयार की गई है। नए पुजारियों को इस नियमावली का पालन करना होगा। नियमावली की सबसे खास बात यह है कि पुजारियों को रोटेशन के अनुसार परिसर के सभी मंदिरों में पूजा–पाठ के लिए लगाया जाएगा।

राममंदिर ट्रस्ट के सदस्य डॉ० अनिल मिश्र ने बताया कि पिछले दिनों राम मंदिर में प्रशिक्षित पुजारियों की तैनाती के लिए प्रशिक्षण अभियान चलाया गया था। 20 पुजारियों को छह माह का प्रशिक्षण दिया गया था। प्रशिक्षण पूरा करने वाले पुजारियों को प्रमाण पत्र भी दिया जा चुका है। अब इन पुजारियों को राममंदिर समेत परिसर में बन रहे अन्य मंदिरों में पूजा–पाठ के लिए लगाने पर सहमति बन गई है। इसके लिए नई नियमावली तैयार की गई है।

इसके तहत पुजारी राम मंदिर समेत सभी मंदिरों में रोटेशन के अनुसार पूजा–पाठ करेंगे। अलग–अलग तिथि व शिफ्ट में पुजारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। पूजा–पाठ की जो संहिता बनाई गई है, उसका पालन करना होगा। किसी के यहां प्रसव या निधन होने पर उस पुजारी को खुद मंदिर में नहीं आना चाहिए। मतलब यह है कि अपवित्र स्थिति में मंदिर में प्रवेश वर्जित होगा। ड्रेसकोड पर भी विचार चल रहा है।

शादी से दस दिन पहले युवती की हत्या की कोशिश, मंगेतर गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। शादी से दस दिन एक युवती को उसका मंगेतर शेरवानी और लहंगा सिलवाने के बहाने अपने साथ ले गया। कुलदेवी के मंदिर में दर्शन कराने के नाम पर जंगल में सुनसान स्थान पर ले जाकर युवती के दुपट्टे से उसका गला कसकर हत्या की कोशिश की और मरा हुआ समझकर फरार हो गया।

राहगीरों की सूचना पर युवती के परिवारीजन मौके पर पहुंचे और उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। युवती की मां की तहरीर पर मंगेतर पर हत्या के प्रयास और परिवारीजनों पर दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज कर पुलिस ने आरोपित मंगेतर अनूप को गिरफ्तार कर लिया, अनूप सीमा सुरक्षा बल में जवान है। वर्तमान में राजस्थान में उसकी पोस्टिंग है।

गोरखनाथ थाना के कसरा हुसैन पचपेड़वा की रहने वाली एक युवती की शादी गुलरिहा के आबादी सखनी टोला पोखरिहवा निवासी अनूप चौहान से 4 दिसंबर को होनी थी। दहेज में तय सात लाख नगद व सामान देकर 20 नवंबर को परिवारीजनों ने तिलक का कार्यक्रम सम्पन्न कराया था। सोमवार की सुबह अनूप चौहान अपनी होने वाली पत्नी के घर पहुंचा और शेरवानी व लहंगा सिलवाने के बहाने उसे अपने साथ लेकर चला गया। करीब तीन बजे युवती के पिता के मोबाइल नंबर पर राहगीर से सूचना मिली की उनकी बेटी टिकरिया जंगल में सिरसिहा माता मंदिर के स्थान के पास गंभीर रूप से घायल हाल में पड़ी है। इसके बाद पीड़िता की बड़ी बहन घटनास्थल पर गई और एंबुलेंस तथा डायल 112 नंबर पुलिस को सूचना दी।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल युवती को भटहट सीएससी लेकर आई, जहां से चिकित्सकों ने मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। पीड़िता की मां का आरोप है कि अनूप चौहान कुलदेवी का दर्शन करने के बहाने जंगल में ले गया और पिटाई करने के बाद जान से मार देने की नीयत से दुपट्टे से गला कस दिया। उसे मरा समझ कर वहीं छोड़कर फरार हो गया। होश में आने पर घायल ने राहगीरों की मदद से घरवालों तथा पुलिस को सूचना दी। प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र कुमार सिंह का कहना है तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर आरोपित अनूप को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस की जांच में सामने आया कि अनूप की शादी पहले युवती की बड़ी बहन से होने वाली थी। उसकी बड़ी बहन पुलिस भर्ती के दौरान सिपाही बन गई। इसके बाद परिवारीजनों ने छोटी बहन से शादी करने का फैसला किया। अनूप दबाव में तैयार तो हो गया लेकिन वह शादी नहीं करना चाहता था। इसलिए उसने युवती को जान से मारने की कोशिश की और शातिर तरीके से घटना के समय अपने आप को कहीं और दिखाने का प्रयास करने लगा। फिलहाल पुलिस ने जांच के बाद आरोपित को पकड़ लिया। अभिनव त्यागी, एसपी सिटी ने कहा कि हत्या के प्रयास के आरोपित मंगेतर अनूप को गिरफ्तार कर लिया गया है। युवती के बयान व अन्य पहलुओं की जांच के बाद सामने आया कि उसने ही युवती की हत्या की कोशिश की है। पुलिस को गुमराह करने के लिए अपनी अलग कहानी बता रहा था।

जनपदीय स्काउट गाइड रैली का भव्यता के साथ समापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता– महाराजगंज । उत्तर प्रदेश भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स के तत्वाधान में तीन दिवसीय जनपदीय स्काउट गाइड रैली राजेन्द्र प्रसाद तारा चंद महाविद्यालय में समापन किया गया जिस अवसर पर एसडीएम निचलौल शैलेन्द्र गौतम तहसीलदार राजेश श्रीवस्तव विशिष्ठ अतिथि रामदरस चौधरी परियोजना निदेशक व वरिष्ठ पत्रकार शत्रुंजय सिंह द्वारा द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ 25 नवंबर को किया गया वही 27 नवम्बर को इसका भव्यता के साथ समापन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गाइड द्वारा सरस्वती बंदना, स्वागत गीत प्रस्तुत किया। उसके बाद विश्व की सबसे बड़ी वर्दीधारी संस्था का स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया, प्रातः बेला में सर्व धर्म प्रार्थना व झंडारोहण के बाद जिले के समस्त विद्यालयों के स्काउट्स एण्ड गाइड्स द्वारा सिग्नलिंग प्रतियोगिता के बाद स्काउटगाइड द्वारा सामाजिक रीति रिवाजों का प्रदर्शन किया गया। जिसका मूल्यांकन अतिथियो द्वारा किया गया। उसके बाद संस्था के द्वारा रैली की आख्या प्रस्तुत की गई।

एसडीएम निचलौल शैलेन्द्र गौतम ने कहा स्काउट गाइड से अनुशासन कर्तव्य निर्वहन और देश प्रेम की सीख मिलती है, स्काउट गाइड आपदा और किसी भी बड़े आयोजनों एवम अन्य सामाजिक कार्यों में अपनी सहभागिता निभाते है। वही तहसीलदार राजेश श्रीवस्तव ने कहा कि स्काउटिंग जीने की कला सिखाती है बच्चे अनुशाषित होते जो नए समाज का निर्माण सुचारू रूप से करते है । उसके बाद मुख्यातिथि जिला सचिव व जिला कमिश्नर ने विजेता टीम को सम्मानित किया, जिसमे विजेता टीम में ब्लाक बेसिक स्काउट व गाइड में पहला स्थान, जे०के० मांटेसरी घुघली, तहसील जूनियर स्काउट में आचार्य बलदेव इण्टर कालेज भुवानी व गाइड में श्री बजरंगी सिंह इण्टर कालेज घुघली को पहला स्थान प्राप्त हुआ। तहसील सीनियर में किसान आदर्श इण्टर कालेज बेलवा वही गाइड में आचार्य बलदेव इण्टर कालेज भुवानी को पहला स्थान प्राप्त हुआ, वही नगर जूनियर स्काउट ओर गाइड का खिताब लगातार हर वर्ष की भांति चोखराज तुलस्यान इण्टर कालेज सिसव बाजार को पहला स्थान प्राप्त किया। वही नगर सीनियर सीनियर स्काउट महराजगंज इण्टर कालेज व गाइड में राजकीय कन्या इण्टर कालेज नौतनवा ने पहला स्थान प्राप्त किया।

जिला सचिव संजय मिश्र ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए आभार प्रकट किया, और सभी यूनिट लीडर्स को सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालक ए एल टी उमेश कुमार ने किया, रैली 45 विद्यालय से 44 टीम में लगभग 1000 स्काउट गाइड ने प्रतिभाग किया। इस दौरान जिला कमिश्नर वयस्क संसाधन हरिश्चंद श्रीवास्तव, जिला कमिश्नर गाइड नीलम त्रिपाठी, डीटीसी दीनदयाल शर्मा, जिला मौसम, शशांक गुप्ता, प्रधानाचार्य शिवा जी सिंह, संजय भारती केशव तिवारी, सुरेश तिवारी, परमानंद पांडेय, राजन विश्वकर्मा, देवानंद भारती, ऋतिक अग्रहरी, रोहन यादव, अटल सिंह ,रिया जायसवाल समेत अन्य स्टाफ अनेक विद्यालय के प्रवन्धक मौजूद रहे।

केवाईसी कराने गया था परिवार, घर में चोरी

संवाददाता–गोरखपुर। क्षेत्र के महुआपार–रामजानकी मार्ग पर स्थित विनोद नायक के आवास से बुधवार की दोपहर चोर जेवरात और नकदी लेकर फरार हो गया। जानकारी के मुताबिक, निवासी विनोद नायक बुधवार को अपने परिवार के साथ बड़हलगंज पोस्ट ऑफिस में केवाईसी कराने आए थे। दिन के लगभग सवा बारह बजे वापस घर पहुंचे तो बाहर का ताला टूटा देखा और अंदर से सिटकनी बंद मिली।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोप, अस्पताल संचालक पर केस दर्ज

–भारतीय बस्ती संवाददाता– महराजगंज। जिले में एक प्राइवेट अस्पताल संचालक पर संतकबीर नगर की जीएनएम (महिला स्वास्थ्यकर्मी) ने दुष्कर्म और मारपीट का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता ने पुलिस में दर्ज कराई तहरीर में बताया कि 2015 से अस्पताल संचालक ने शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए। बाद में पता चला कि वह पहले से शादीशुदा है और उसके तीन बच्चे हैं।

महिला का आरोप है कि संचालक ने लगातार उसे धमकाया और मजबूर किया। महराजगंज से खलीलाबाद शिफ्ट होने पर भी पीछा कर मारपीट और जोर–जबरदस्ती की। मंगलवार को पीड़िता खलीलाबाद से महराजगंज स्थित अस्पताल पहुंची और संचालक की एक महिला स्टाफ से झगड़ा करने लगी। आरोप लगाया कि संचालक का उस स्टाफ के साथ भी अफेयर है। इसी दौरान पीड़िता ने शीशे के टुकड़े से जान देने की कोशिश की, जिसमें वह मामूली रूप से घायल हो गई।

घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला और संचालक को हिरासत में लेकर कोतवाली ले गई। पीड़िता की शिकायत पर दुष्कर्म, मारपीट और धमकी का मामला दर्ज कर लिया गया। पुलिस ने महिला का मेडिकल परीक्षण कराया और मजिस्ट्रेट के समक्ष धारा 164 के तहत बयान दर्ज कराया। कोतवाल ने बताया कि मामले की गहन जांच जारी है और बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

प्रकीर्ण अपील सं० 30/2023

अदालत– श्रीमान अपर जिला जज षष्ट्म महोदय बस्ती जिला–बस्ती

गीता देवी

बनाम

पूनम गौड़ आदि

1. पूनम गौड़ उम्र लगभग 35 वर्ष पत्नी संजय कुमार गौड़ निवासिनी किसान हाई स्कूल कैम्पस निकट रोडवेज, तप्पा–हवेली, परगना बस्ती पूरब, तहसील व जिला–बस्ती।

– रेस्पान्डेन्ट प्रथम वर्ग

2. रणन्जय सिंह बालिग पुत्र राजा ज्वालेश्वरी प्रसाद नारायण सिंह 3. कामेश्वर सिंह बालिग पुत्र राजा ओंकार सिंह 4. राजा ऐश्वर्य राज सिंह बालिग पुत्र राजा लक्ष्मणेश्वर सिंह निवासीगण बस्ती खास, तप्पा–हवेली, परगना बस्ती पूरब, तहसील व जिला–बस्ती।

5. श्रीमती अनुराधा जायसवाल बालिग पत्नी रामनयन निवासी ग्राम नईबाजार बस्ती तप्पा–हवेली, परगना बस्ती पूरब, तहसील व जिला–बस्ती। 6. श्रीमती शैब्या गुप्ता बालिग पत्नी शक्ति प्रसाद साकिन–पाण्डेय बाजार बस्ती, तप्पा–पडिया, परगना बस्ती पूरब, तहसील व जिला–बस्ती 7. राजेश जायसवाल बालिग पुत्र हरीप्रसाद निवासी तप्पा पट्टी मेहदावल रोड, तप्पा–पड़िया, परगना बस्ती पूरब, तहसील व जिला–बस्ती 8. श्रीमती कमला बालिग पत्नी सुधीर कुमार साकिन–पाण्डेय बाजार तप्पा–पड़िया, परगना बस्ती पूरब, तहसील व जिला–बस्ती 9. श्रीमती माया देवी बालिग पत्नी भगौती प्रसाद निवासी बस्ती खास, तप्पा–हवेली, परगना बस्ती पूरब, तहसील व जिला–बस्ती 10. माया बालिग पत्नी रामकुमार निवासी पाण्डेय बाजार, तप्पा–पडिया परगना बस्ती पूरब, तहसील व जिला–बस्ती 11. श्रीमती सुधा बालिग पत्नी राजकुमार साकिन–पाण्डेय बाजार तप्पा–पडिया परगना बस्ती पूरब, तहसील व जिला–बस्ती 12. श्रीमती ममता गुप्ता बालिग पत्नी बृजेन्द्र गुप्ता साकिन–पाण्डेय बाजार तप्पा–पडिया, परगना–बस्ती पूरब, तहसील व जिला–बस्ती 13. श्रीमती राममोहिनी शुक्ला पत्नी सुनील शुक्ला साकिन पाण्डेय बाजार तप्पा– पडिया परगना बस्ती पूरब, तहसील व जिला–बस्ती 14. श्रीमती बिन्दू बालिग पत्नी रामपियारे साकिन–चिकवा टोला पुरानी बस्ती तप्पा–हवेली, परगना बस्ती पूरब, तहसील व जिला बस्ती 15. विशाल जायसवाल बालिग पुत्र गंगाराम जायसवाल साकिन रेलवे स्टेशन रोड पुरानी बस्ती तप्पा–हवेली, परगना बस्ती पूरब, तहसील व जिला–बस्ती 16. फूलचन्द्र बालिग पुत्र कमला प्रसाद साकिन धरमपुर तप्पा–दुबौलिया, परगना–अमोढ़ा, तहसील–हरैया जिला बस्ती 17. सुबासचन्द्र बालिग पुत्र कमलाप्रसाद साकिन–धरमपुर तप्पा दुबौलिया, परगना–अमोढ़ा, तहसील–हर्रया जिला–बस्ती 18. श्रीमती किरन बरनवाल बालिग पत्नी कुलदीप साकिन नरहरिया तप्पा–पड़िया परगना–बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती 19. नीरज कुमार सिंह पुत्र विद्याभूषण सिंह बालिग साकिन बांसीरोड मरवटिया, तप्पा–कडर परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती 20. शंकर गोयल 21. विष्णु गोयल बालिगान पुत्रगण मागीरथी निवासी बढनी बाजार वार्ड नं० 5 पोस्ट–बढनी, हालमुकाम मरवटिया, तप्पा–कडर, परगना बस्ती पूरब तहसील जिला–बस्ती 22. श्रीमती पूनम बालिग पत्नी अरूण कुमार वार्ड नं० 15 लुधई सहजनवा जिला– गोरखपुर, हालमुकाम–मरवटिया, तप्पा–कडर परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती 23. विष्णु प्रसाद बालिग पुत्र बजरंगलाल निवासी असनहरा तप्पा–छपिया परगना–रसूलपुर तहसील–मानपुर जिला–बस्ती 24. श्यामेन्द्र सिंह बालिग पुत्र सुरेंद्र सिंह, निवासी कुसमौर, टप्पा–दुबखारा, परगना–नगर पूरब, तहसील व जिला–बस्ती 25 श्रीमती कुमुद सिंह बालिग पत्नी सुबाष सिंह साकिन–बासडीह, तप्पा–रामपुर कोठा, परगना–भौवापार, तहसील सहजनवा जिला–गोरखपुर, हालमुकाम–मरवटिया, तप्पा–कडर, परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–वस्ती 26– रामरतन बिन्द बालिग पुत्र छेदीलाल साकिन गोधना मुगलसराय, जिला चन्दौली हालमुकाम मरवटिया, तप्पा–कडर, परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–वस्ती 27. पंकज कुमार बालिग पुत्र गोपाल प्रसाद निवासी न्यू महल मुगलसराय जिला–चंदौली हालमुकाम मरवटिया, तप्पा–कडर, परगना बस्ती पूरब तहसील जिला–बस्ती

तारीख पेशी 06–12–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई० रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 06 महीना 12 सन 2024 ई० वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजवीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

दुकान में गैस सिलेंडर से लगी सारा सामान जलकर राख

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या नगर कोतवाली क्षेत्र के अश्वनीपुरम कॉलोनी में बुधवार की सुबह एक दुकान में गैस सिलिंडर से आग लग लगने से अफरा–तफरी मच गई। अग्निशमन दस्ता और देवकाली पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से आग बुझाई तब तक दुकान का सारा सामान जलकर राख हो चुका था। अश्विनी पुरम निवासी राम गणेश मौर्य का मकान देवकाली फतेहगंज रोड पर स्थित है। घर के सामने ही टिन शेड की दुकान में चाय–पानी का होटल चलाते हैं। बुधवार की सुबह उनके परिवार के लोग होटल में चाय–पानी बना रहे थे। इस दौरान अचानक सिलिंडर से आग लग गई।

देवकाली चौकी प्रभारी अनुराग पाठक टीम के साथ मौके पर पहुंचे और फायर दस्ता भी सूचित किया। उन्होंने बताया कि कोई जनहानि नहीं हुई है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

मूलवाद सं०–174/2018

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय जिला–बस्ती

श्रीमती रेनू चड्ढा

बनाम

संजय कुमार आदि

1. संजय कुमार 2. रजनीश कुमार पुत्रगण जगन्नाथ प्रसाद समस्त साकिनान पिकौरा बक्श पो0 गांधी नगर तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

3. लोकेश कोहली 4. मुकेश पुत्रगण स्व0 थानेश्वर प्रसाद समस्त निवासी मकान नं0–857 वार्ड नं0 5 मोहल्ला पिकौरा बक्श पो0 गांधी नगर बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 13–01–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 13 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाफिक किया गया हो और जो कुछ उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

चोरी की घटना से नाराज व्यापारियों का फूटा गुस्सा, खलीलाबाद–मेंहदावल मार्ग जाम किया

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के बखिरा कस्बे में बार–बार हो रही चोरी की घटना से नाराज कस्बे के व्यापारियों का गुस्सा बुधवार को फूट पड़ा। कस्बे के आक्रोशित व्यापारियों ने मुकेश जायसवाल के किराना की दुकान में चोरी होने व पूर्व में हुई चोरी की घटना का खुलासा न होने पर खलीलाबाद–मेंहदावल मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। सड़क पर बैठकर पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। जिससे आवागमन ठप हो गया और राहगीर परेशान हो गये।

सड़क जाम की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे नवागत चौकी प्रभारी सुरेन्द्र कुमार सिंह समेत पुलिस कर्मियों ने व्यापारियों को समझा बुझाकर जाम समाप्त कराना चाहा। आक्रोशित व्यापारियों को मनाने में चौकी प्रभारी असफल रहे। इस दौरान जाम में मरीज को लेकर जा रही एम्बुलेंस को व्यापारियों ने रास्ता दे दिया। उसके बाद पुनः मार्ग जाम कर दिया। लगभग आधे घण्टे बाद मौके पर पहुंचे नवागत एसओ लाल बिहारी निषाद ने पीड़ित दुकानदार और आक्रोशित व्यापारियों से वार्ता की। एसओ ने व्यापारियों को आश्वासन दिया कि चोरी की घटना का शीघ्र खुलासा होगा। चोरों को गिरफ्तार करके जेल भेजा जाएगा। तब जाकर व्यापारी शांत हुए और जाम को समाप्त किया। लगभग 40 मिनट तक चले मार्ग जाम के दौरान आवागमन पूरी तरह से बंद रहा। जाम खुलने के बाद आवागमन शुरु हुआ तो राहगीर अपने–अपने गंतव्य की तरफ गए।

खाद के लिए गोदामों पर लगी किसानों की भीड़

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में डीएपी खाद पाने के लिए गोदामों पर किसानों की भीड़ लगी रही। कई समितियों पर किसानों की कतार लगी दिखी। वहीं बीज न मिलने से किसानों में आक्रोश है। मेंहदावल संवाद के अनुसार साहन सहकारी समिति पश्चिम टोला के साथ जिला सहकारी समिति साड़ेकला, कुसौना, पैंड़ारी कला तथा ई–बाजार मेंहदावल पर डीएपी खाद का वितरण किया गया। बावजूद इसके कई किसान बिना खाद वापस लौटने को मजबूर हुए। पश्चिम टोला साधन सहकारी समिति पर बड़ी संख्या में किसानों की भीड़ लगी रही। हालत यह हो गई कि कुछ देर खाद का वितरण बंद करना पड़ा। वहीं जिला सहकारी समितियों पर पंहुचा महज सौ–सौ बोरी डीएपी वितरित होने में समय ही नहीं लगा। काफी किसान बिना खाद के वापस हो गए। धनघटा संवाद के अनुसार तहसील क्षेत्र के विभिन्न गोदाम पर खाद आने की सूचना पर किसान गोदाम पर पहुंच गए। अफरा तफरी की स्थिति पैदा हो गई लेकिन किसानों के रवैया को देखते हुए गोदाम इंचार्ज किसानों को समझा–बुझाकर खाद का वितरण किया। तहसील क्षेत्र के साधन सहकारी समिति शनिचरा बाजार, धनघटा, बंडा बाजार, महुपैना के गोदाम पर किसानों की भीड़ लग गई। शनिचरा बाजार में 180 बोरी खाद किसानों को बांटने के लिए मिली थी। किसान बुजुर्गवार निवासी ऋषि मुनि यादव, शुभकरण सिंह, जगदीश, हरे राम यादव आदि लोगों का कहना है कि बड़ी मुश्किल से खाद मिली है हर सीजन में यह समस्या होती है।

आजादी के 75 वर्ष बाद सरकारी हिस्से में आएंगी अंग्रेजों के नाम दर्ज जमीनें

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिला मुख्यालय से 12 किमी दूर बर्डपुर और आसपास के क्षेत्रों में अंग्रेजी जमींदारों के नाम से दर्ज भूमि जल्द ही सरकारी हिस्से में तब्दील हो जाएगी। इन जमीनों पर अधिकांश अंग्रेज मिस्टर विलियम के नाम दर्ज हैं पर वारिस कोई नहीं है। देश की आजादी के 75 वर्ष बाद अब डीएम डॉ. राजागणपति आर के निर्देश पर तहसील प्रशासन की ओर से सरोई जांच के बाद जल्द ही यह भूमि सरकारी के रूप में दर्ज हो जाएगी।

देश की आजादी से पहले जिले में बर्डपुर कस्बा समेत आसपास के क्षेत्र में अंग्रेजों का साम्राज्य था। अंग्रेजी जमींदारों ने बर्डपुर नंबर–एक से 14 तक ग्राम पंचायतों का विभाजन करते हुए खेती किसानी करते रहे। वर्ष 1947 में देश को आजादी मिलने के बाद यहां रहे अंग्रेजों ने यह क्षेत्र छोड़कर अपने देश चले गए। इसके बाद उनके नाम खसरा–खतौनी में आज भी दर्ज हैं। ऐसे में इन जमीनों पर चाहकर भी कोई सरकारी भवन या ग्राम पंचायत की सार्वजनिक रूप से उपयोग करने में कानूनी अड़चने थी। डीएम डॉ. राजा गणपति आर ने नौगढ़ तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत बर्डपुर नंबर एक से बर्डपुर नंबर–14 समेत दुल्हा खुर्द, व दुल्हा सुमाली व दुल्हा दरमियानी के खसरा–खतौनी की जांच के निर्देश दिए। आदेश के अनुपालन में क्षेत्रीय लेखपाल व राजस्व निरीक्षक की ओर से सौंपी गई रिपोर्ट में कई जमीनें अंग्रेजों के नाम या उनकी कुछ जमीनों पर भारतीय नागरिकों के नाम से आज भी दर्ज पाई गई। इन जमीनों को अंग्रेजों के नाम से दर्ज जमीनों को उनका कोई वारिस न होने के कारण अब सरकारी भूमि के रूप में दर्ज किए जाएंगे। चिन्हांकन के बाद अंग्रेजों के नाम को हटाने के लिए एसडीएम नौगढ़ के न्यायालय में खारिज दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। नौगढ़ तहसील अंतर्गत ग्राम बर्डपुर नंबर एक, बर्डपुर नंबर–दो एक–एक गाटा, बर्डपुर नंबर–पांच में एक गाटा मिस्टर विलियम के नाम अंकित है। इसका आंशिक भाग कब्रिस्तान के रूप में प्रयोग होता है। शेष में बाग है। बर्डपुर नंबर–छह, बर्डपुर नंबर–सात में भी एक–एक गाटा मिस्टर विलियम टास्को आदि के नाम अंकित है। ग्राम बर्डपुर नंबर–नौ में कुल 15 गाटा, बर्डपुर नंबर–12 में तीन गाटा, बर्डपुर नंबर–13 में एक गाटा, बर्डपुर नंबर 14 में कुल चार गाटा मिस्टर विलियम टास्को आदि के नाम दर्ज है। दुल्हा सुमाली में दो गाटा मिस्टर विलियम टास्को आदि के नाम अंकित है। दुल्हा खुर्द में एक, दुल्हा दरमियानी में कुल छह गाटा मिस्टर विलियम टास्क, बर्डपुर नंबर–11 में एक गाटा मिस्टर विलियम टास्को आदि के नाम अंकित है। इस ग्राम पंचायत में राजस्व न्यायालय कम्प्यूटरीकृत वाद संख्या टी–201917631100035 आदेश नौ सितंबर 2020 में नायब तहसीलदार नौगढ़ के आदेशानुसार उपर्युक्त दोनों गाटों पर अंकित मिस्टर विलियम टास्को का नाम निरस्त कर फजलुर्रहमान पुत्र अब्दुल सत्तार मृतक के वारिस आदि व अन्य काश्तकारों का नाम अंकित करने के लिए आदेश पारित किया गया है। पर यह आदेश का अमलदरामद खतौनी पर नहीं है। ग्राम बर्डपुर नंबर–चार में कुछ गाटा पर मिस्टर बिलियम टास्को के नाम अंकित थे।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगद इनफिसाल मुकदमा

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मंजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0– 122/24

धारा 116 उ0प्र0रा0सं0 2006

अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय हर्रैया जिला–बस्ती

अरूणेश चन्द्र

बनाम

ओम प्रकाश आदि

1. ओम प्रकाश 2. चिन्ताराम पुत्रगण रामलखन निवासी बिहरा तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 3.श्रीनिवास पुत्र हीरालाल साकिन बेलवाजोर तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 05–12–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 05 माह 12 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाफिक किया गया हो और जो कुछ उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्प्लेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–

चर्तुभुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–

आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–

इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 09450567450 9336715406,

ई.मेल–bhartiyabasti@yahoo.com

bhartiyabasti@gmail.com